CBSE Class 10 Hindi Course B 2026-27

Sample Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 hours **Maximum Marks: 80**

General Instructions

(i) इस प्रश्न पत्र में कुल **16** प्रश्न हैं | सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |

(ii) यह प्रश्न पत्र चार खंडों में विभाजित है - **क, ख, ग और घ** |

(iii) खंड-क में अपठित बोध पर आधारित कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या **10** है |

(iv) खंड-ख में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या **20** है | प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं |

(v) खंड-ग में पाठ्य पुस्तक और पूरक पाठ्य पुस्तक पर आधारित कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या **21** है | प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं |

(vi) खंड-घ में रचनात्मक लेखन पर आधारित कुल **5** प्रश्न हैं| प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |

(vii) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए |

(viii) यथासंभव चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

(ix) शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रश्न-पत्र के डिज़ाइन और मूल्यांकन के तरीके में कोई बदलाव नहीं है।

खंड -- क (अपठित बोध) (14 marks)

अपठित बोध पर आधारित कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या 10 है |

1(I). निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

कठपुतलियों के नाच को देखने के लिए अक्सर उमड़ने वाली दर्शकों की भारी भीड़ इस बात की साक्षी है कि यदि कला लोगों से सीधा संपर्क करती है, तो वह कभी मर नहीं सकती। आज भी कठपुतलियों के नाटकीय कथानकों के माध्यम से समाज की समस्याओं को उभारने और लोगों को जागरुक बनाने की प्रेरणा दी जा रही है। कठपुतली के साथ लोक संस्कृति ही नहीं, कथा-कहानियों और नाटकों की बहुरंगी दुनिया जुड़ी है। सदियों से कठपुतली का प्रदर्शन लोक संस्कृति से जुड़े मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम रहा है। आड़ू की हल्के वज़न की लकड़ी को मानवाकृतियों में काट-छाँटकर बनाई जाने वाली इन पुतलियों के चेहरे पर चटक रंगों से मुँह, नाक, कान और आँखों की रेखाएँ बनाते हैं। बदलते वक्त के साथ अब यह कला भी पूरी तरह व्यावसायिकता के रंगों में रंग गई है। कठपुतली नृत्य का प्रदर्शन अब गाँव की चौपालों पर नहीं, बल्कि संग्रहालयों, कला मेलों और पाँच सितारा होटलों में भी होने लगा है। आजकल साक्षरता, प्रौढ़ शिक्षा जैसे विषयों को भी कठपुतलियों के ज़रिए रोचक ढंग से पेश किया जाता है। उँगलियों के इशारे से नाचने वाली कठपुतली को इसका सबसे पुराना रूप माना जा सकता है। डोर में खिंची है तो प्रदर्शन कर रही है, इसे ढीला छोड़ दिया तो कठपुतली जिस हाल में है, बस वैसे ही थम जाती है। इसे 'कठपुतली का खेल' या 'कठपुतली का तमाशा' कहा जाता है।

साभार: नंदन (सितंबर 2009)

गद्यांश के अनुसार कठपुतली कला के जीवित रहने का प्रमुख कारण क्या है? [1 mark]

(A) कला का लोगों से सीधा संपर्क होना

(B) मनोरंजन का सस्ता माध्यम होना

(C) परंपरा से चला आना

(D) पर्यटन स्थलों में प्रदर्शन

Correct Answer: (A) कला का लोगों से सीधा संपर्क होना

Solution:

Concept:

- प्रश्न पूछ रहा है कि गद्यांश के अनुसार कठपुतली कला के जीवित रहने का मुख्य कारण क्या है। हमें गद्यांश में वह वाक्य खोजना है जो कला के बने रहने का कारण बताता है।

Step 1: गद्यांश में उत्तर खोजना गद्यांश की पहली पंक्ति में लिखा है कि कठपुतलियों का नाच देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ती है। यह भीड़ इस बात की साक्षी है कि यदि कला लोगों से सीधा संपर्क करती है, तो वह कभी मर नहीं सकती।
यानी कला इसलिए जीवित है क्योंकि वह सीधे लोगों से जुड़ी है।

Step 2: विकल्प (A) जाँचना कला का लोगों से सीधा संपर्क होना, यही बात गद्यांश की पहली पंक्ति में कही गई है। इसलिए विकल्प (A) सही है।

Step 3: बाकी विकल्प गलत क्यों हैं विकल्प (B) में मनोरंजन का 'सस्ता' माध्यम बताया गया है। गद्यांश में मनोरंजन का 'सशक्त' माध्यम कहा गया है, 'सस्ता' कहीं नहीं लिखा।
विकल्प (C) में परंपरा से चला आना है। गद्यांश में 'सदियों से' शब्द आया है, पर उसे जीवित रहने का कारण नहीं बताया गया।
विकल्प (D) में पर्यटन स्थलों में प्रदर्शन है। संग्रहालयों और होटलों में प्रदर्शन बदलते समय का परिणाम है, कला के जीवित रहने का कारण नहीं।

Step 4: Conclusion **उत्तर: (A) कला का लोगों से सीधा संपर्क होना**

Quick Tip to Solve: गद्यांश की पहली पंक्ति पढ़िए। वहीं बताया गया है कि कला कब तक नहीं मरती।

1(II). कठपुतली कला के माध्यम से आज किन उद्देश्यों को पूरा किया जा रहा है?
सही विकल्प चुनिए:
(i) लोक संस्कृति का प्रदर्शन करना
(ii) केवल लोगों का मनोरंजन करना
(iii) सामाजिक समस्याओं को उजागर करना
(iv) साक्षरता और प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाना
विकल्प : [1 mark]

(A) केवल कथन (i) सही है।

(B) कथन (ii) और (iii) सही हैं।

(C) कथन (i), (iii) और (iv) सही हैं।

(D) कथन (i) और (ii) सही हैं।

Correct Answer: (C) कथन (i), (iii) और (iv) सही हैं।

Solution:

Concept:

- हमें चार कथनों में से वे कथन चुनने हैं जो गद्यांश के अनुसार आज कठपुतली कला के उद्देश्य हैं। हर कथन को गद्यांश से मिलाकर देखेंगे।

Step 1: कथन (i) जाँचना गद्यांश कहता है कि कठपुतली के साथ लोक संस्कृति जुड़ी है और सदियों से इसका प्रदर्शन लोक संस्कृति से जुड़े मनोरंजन का माध्यम रहा है। इसलिए लोक संस्कृति का प्रदर्शन इसका उद्देश्य है। कथन (i) सही है।

Step 2: कथन (ii) जाँचना इसमें 'केवल' शब्द है। गद्यांश के अनुसार कठपुतली से समस्याएँ उभारी जाती हैं और शिक्षा भी दी जाती है। इसलिए यह कला केवल मनोरंजन नहीं करती। कथन (ii) गलत है।

Step 3: कथन (iii) और (iv) जाँचना गद्यांश में लिखा है कि आज भी कठपुतलियों के नाटकीय कथानकों से समाज की समस्याओं को उभारा जाता है। इसलिए कथन (iii) सही है।
गद्यांश में यह भी लिखा है कि आजकल साक्षरता और प्रौढ़ शिक्षा जैसे विषय कठपुतलियों के ज़रिए रोचक ढंग से पेश किए जाते हैं। इसलिए कथन (iv) सही है।

Step 4: विकल्पों से मिलान सही कथन (i), (iii) और (iv) हैं।
(A) में केवल (i) है, इसलिए यह अधूरा है।
(B) में (ii) है जो गलत है, और (i), (iv) छूट गए हैं।
(D) में (ii) है जो गलत है, और (iii), (iv) छूट गए हैं।
(C) में ठीक वही तीन कथन हैं।

Step 5: Conclusion **उत्तर: (C) कथन (i), (iii) और (iv) सही हैं।**

Quick Tip to Solve: हर कथन को गद्यांश की पंक्ति से मिलाइए। 'केवल' वाले कथन पर ध्यान दीजिए।

1(III). निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए :
कथन : कठपुतलियों के नाच को देखने के लिए अक्सर दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ती है।
कारण : कला लोगों से सीधा संपर्क करती है, तो वह कभी मर नहीं सकती।
विकल्प [1 mark]

(A) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(B) कथन गलत है और कारण सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं पर कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

Correct Answer: (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Solution:

Step 1: कथन और कारण को समझना इस प्रश्न में दो बातें दी हैं। पहली बात कथन है और दूसरी कारण है। हमें तीन काम करने हैं: कथन जाँचना, कारण जाँचना और देखना कि कारण कथन को समझाता है या नहीं।

Step 2: कथन जाँचना गद्यांश की पहली पंक्ति में लिखा है कि कठपुतलियों के नाच को देखने के लिए अक्सर दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ती है। इसलिए कथन सही है।

Step 3: कारण जाँचना उसी वाक्य में आगे लिखा है कि यदि कला लोगों से सीधा संपर्क करती है, तो वह कभी मर नहीं सकती। इसलिए कारण भी सही है।

Step 4: क्या कारण कथन की व्याख्या करता है लोग भीड़ लगाकर कठपुतली देखने इसलिए आते हैं क्योंकि यह कला उनसे सीधा संपर्क करती है और उनकी अपनी लगती है। इस तरह कारण से ही भीड़ उमड़ने का कारण समझ आता है। इसलिए कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Step 5: विकल्पों की जाँच (A) कहता है कि कारण गलत है, पर कारण सही है। इसलिए (A) गलत है।
(B) कहता है कि कथन गलत है, पर कथन सही है। इसलिए (B) गलत है।
(D) कहता है कि कारण व्याख्या नहीं करता, पर वह करता है। इसलिए (D) गलत है।
(C) में दोनों सही हैं और कारण व्याख्या करता है, यही सही विकल्प है।

Step 6: Conclusion **उत्तर: (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।**

Quick Tip to Solve: पहले कथन और कारण को अलग अलग गद्यांश से जाँचिए, फिर देखिए कि कारण कथन को समझाता है या नहीं।

1(IV). "बदलते वक्त के साथ अब यह कला भी पूरी तरह व्यावसायिकता के रंगों में रंग गई है।" आशय स्पष्ट कीजिए?

[2 marks]

Solution:

Step 1: पंक्ति का संदर्भ समझना यह पंक्ति कठपुतली कला के बारे में है। 'बदलते वक्त के साथ' का मतलब है कि समय के साथ हालात बदल गए हैं। 'व्यावसायिकता के रंग में रंगना' का मतलब है कि कला अब कमाई और व्यापार से जुड़ गई है।

Step 2: पहले की स्थिति पहले कठपुतली का खेल गाँव की चौपालों पर लोगों के मनोरंजन और लोक संस्कृति के लिए होता था। उसका मुख्य मकसद कमाई नहीं था।

Step 3: आज की स्थिति अब गद्यांश के अनुसार कठपुतली नृत्य संग्रहालयों, कला मेलों और पाँच सितारा होटलों में भी होने लगा है। ऐसी जगहों पर कला को टिकट, पर्यटन और कारोबार से जोड़कर दिखाया जाता है।

Step 4: आशय लिखना आशय यह है कि समय बदलने के साथ कठपुतली कला का रूप भी बदल गया है। पहले यह गाँव की चौपाल की लोक कला थी, अब यह व्यापारिक मंचों पर कमाई का साधन भी बन गई है। गद्यांश के अनुसार अब यह कला पूरी तरह इसी रंग में रंग गई है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: समय बदलने के साथ कठपुतली कला अब गाँव की चौपाल तक सीमित नहीं रही। वह संग्रहालयों, कला मेलों और पाँच सितारा होटलों में कमाई और व्यापार का साधन भी बन गई है।**

Quick Tip to Solve: 'व्यावसायिकता' का अर्थ सोचिए और देखिए कि अब कठपुतली का प्रदर्शन कहाँ कहाँ होता है।

1(V). कठपुतली को समाज की समस्याओं को उभारने और लोगों को जागरुक बनाने के लिए सशक्त माध्यम माना गया है। अपने विचार तर्क सहित लिखिए? [2 marks]

Solution:

Concept:

- हमें अपना मत बताना है कि कठपुतली समाज की समस्याओं को उभारने और जागरुक बनाने का सशक्त माध्यम है या नहीं, और साथ में तर्क भी देने हैं। मत गद्यांश के अनुसार इसके पक्ष में रखना ठीक रहेगा।

Step 1: पहला तर्क: सरल भाषा और दृश्य कठपुतली का खेल आँखों के सामने चलता है और उसकी भाषा सरल होती है। इसलिए कठिन सामाजिक समस्याएँ भी आम लोगों को आसानी से समझ आ जाती हैं।

Step 2: दूसरा तर्क: पात्र और कथानक कठपुतलियों के पात्र और नाटकीय कथानक दर्शकों की भावनाओं को छूते हैं। जब दर्शक पात्र के दुख या संघर्ष को देखते हैं, तो वे समस्या को अपनी समस्या मानने लगते हैं। इससे जागरूकता बढ़ती है।

Step 3: तीसरा तर्क: सीधा संपर्क गद्यांश के अनुसार यह कला लोगों से सीधा संपर्क करती है। इसलिए संदेश जल्दी समझ में आता है और उसका असर गहरा पड़ता है। साक्षरता और प्रौढ़ शिक्षा जैसे विषय भी इसी से रोचक ढंग से समझाए जाते हैं।

Step 4: निष्कर्ष इन तर्कों से साफ़ है कि कठपुतली समाज की समस्याएँ दिखाने और लोगों को जगाने का सशक्त माध्यम है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: कठपुतली कला सरल भाषा और दृश्य प्रस्तुति से जटिल समस्याएँ सहज रूप में समझा देती है। उसके पात्र और कथानक दर्शकों की भावनाओं को जोड़कर जागरूकता बढ़ाते हैं। यह कला सीधे आम लोगों से संवाद करती है, इसलिए संदेश जल्दी समझ में आता है और प्रभाव गहरा पड़ता है।**

Quick Tip to Solve: सोचिए कि सरल भाषा, पात्रों की कहानी और आम लोगों से सीधे संवाद का असर क्या होता है। कम से कम दो तर्क लिखिए।

2(I). निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

रसोई के कचरे से कंपोस्ट खाद बनाने का अनूठा प्रयोग पर्यावरण के लिए एक लोकप्रिय उपक्रम बन रहा है। टेराकोटा के सुन्दर रंगबिरंगे गमले जो नफ़ीस बगीचों में रखे जा सकते हैं, रसोई आदि से निकलने वाले जैविक कचरे के लिए तैयार किए गए हैं। बंगलुरू में सफल प्रयासों की मिसाल अन्य महानगरों ने भी अपनाई। यह कचरा जो शहर में कचरे के लिए निर्धारित स्थान लैंडफिल पर फेंक दिया जाता है, अब इन गमलों के माध्यम से कंपोस्ट में बदला जा सकता है। अधिकतर घरों में रोज़ आधा किलो से लेकर 2 किलो तक जैविक कचरा निकलता है। बंगलुरू जैसे शहर रोज़ करीब 3000 टन कचरा तैयार करते हैं। रसोई से निकलने वाले कचरे को हर दिन सूखे पत्तों या अखबारों से ढक कर गमले में रखा जाता है और तीन महीने से भी कम समय में यह सब कंपोस्ट खाद में बदल जाता है। माना जाता है कि कंपोस्ट सबसे बेहतर खाद है जिसमें मिट्टी को दूषित करने वाला रसायन नहीं होता। पुनर्शोधन और कंपोस्ट बनाने जैसी गतिविधियाँ भारत में अभी शुरुआती चरण में हैं परंतु इस कार्य में संलग्न पर्यावरणविदों का मानना है कि इन्हें बहुत आसान बनाना होगा। इस क्षेत्र में सफलता मिलने से उल्लेखनीय बदलाव लाया जा सकता है। तब तक के लिए एक छोटा कदम भी इस पृथ्वी को बचाने में मददगार साबित होगा।

स्रोत: इंडिया टुडे

टेराकोटा के सुन्दर रंगबिरंगे गमले जो नफ़ीस बगीचों में रखे जा सकते हैं। यहाँ 'नफ़ीस' शब्द किस संदर्भ में प्रयोग किया गया है? [1 mark]

(A) कोमल मिट्टी से बना हुआ

(B) पर्यावरण के लिए लाभकारी

(C) सुंदर एवं सुरुचिपूर्ण

(D) मजबूत एवं सुंदर

Correct Answer: (C) सुंदर एवं सुरुचिपूर्ण

Solution:

Concept:

- प्रश्न में पूछा गया है कि 'नफ़ीस' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयोग हुआ है। यानी हमें इस शब्द का सही अर्थ संदर्भ के अनुसार चुनना है।

Step 1: शब्द का अर्थ 'नफ़ीस' उर्दू का शब्द है। इसका अर्थ है साफ़-सुथरा, उम्दा, सुंदर और अच्छी रुचि वाला। 'नफ़ीस बगीचे' का मतलब है ऐसा बगीचा जो सुंदर और सुरुचि से सजाया गया हो।

Step 2: वाक्य में प्रयोग देखना वाक्य है: टेराकोटा के सुन्दर रंगबिरंगे गमले जो नफ़ीस बगीचों में रखे जा सकते हैं। सुंदर गमले ऐसे बगीचे में रखे जा सकते हैं जो सुंदर और सुरुचिपूर्ण हो। यही अर्थ यहाँ ठीक बैठता है।

Step 3: बाकी विकल्प गलत क्यों हैं (A) कोमल मिट्टी से बना हुआ: गमले मिट्टी के हैं, पर 'नफ़ीस' का अर्थ कोमल मिट्टी नहीं है, और वह शब्द बगीचों के लिए आया है।
(B) पर्यावरण के लिए लाभकारी: यह कंपोस्ट का गुण है, 'नफ़ीस' का अर्थ नहीं।
(D) मजबूत एवं सुंदर: 'सुंदर' तो ठीक है, पर 'मजबूत' का भाव 'नफ़ीस' में नहीं है।

Step 4: Conclusion **उत्तर: (C) सुंदर एवं सुरुचिपूर्ण**

Quick Tip to Solve: 'नफ़ीस' का अर्थ सोचिए और उसे 'बगीचों' शब्द के साथ रखकर पढ़िए।

2(II). कंपोस्ट सबसे बेहतर खाद क्यों माना जाता है? [1 mark]

(A) वह तीन महीने में बनकर तैयार हो जाता है।

(B) इसमें मिट्टी को दूषित करने वाले तत्त्व नहीं हैं।

(C) यह सुंदर टैराकोटा के गमले में बनाया जाता है।

(D) यह जैविक कचरे से बना हुआ उत्पाद है।

Correct Answer: (B) इसमें मिट्टी को दूषित करने वाले तत्त्व नहीं हैं।

Solution:

Concept:

- प्रश्न पूछता है कि कंपोस्ट को सबसे बेहतर खाद क्यों माना जाता है। हमें 'क्यों' का कारण गद्यांश से खोजना है, न कि कंपोस्ट के बारे में कोई दूसरी बात।

Step 1: गद्यांश में कारण खोजना गद्यांश में लिखा है: माना जाता है कि कंपोस्ट सबसे बेहतर खाद है जिसमें मिट्टी को दूषित करने वाला रसायन नहीं होता। यानी इसमें हानिकारक रसायन नहीं होते, इसलिए यह मिट्टी के लिए सुरक्षित है।

Step 2: सही विकल्प विकल्प (B) में लिखा है कि इसमें मिट्टी को दूषित करने वाले तत्त्व नहीं हैं। यह गद्यांश के कारण से मेल खाता है।

Step 3: बाकी विकल्प गलत क्यों हैं (A) वह तीन महीने में बनकर तैयार हो जाता है: यह उसके बनने का समय है, बेहतर होने का कारण नहीं।
(C) यह सुंदर टैराकोटा के गमले में बनाया जाता है: यह बनाने की जगह है, बेहतर होने का कारण नहीं।
(D) यह जैविक कचरे से बना हुआ उत्पाद है: यह उसका स्रोत है, बेहतर होने का कारण नहीं।

Step 4: Conclusion **उत्तर: (B) इसमें मिट्टी को दूषित करने वाले तत्त्व नहीं हैं।**

Quick Tip to Solve: गद्यांश में 'सबसे बेहतर खाद' वाला वाक्य खोजिए। उसी में कारण दिया है।

2(III). निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए :
कथन: यह कचरा जो शहर में कचरे के लिए निर्धारित स्थान लैंडफिल पर फेंक दिया जाता है, अब इन गमलों के माध्यम से कंपोस्ट में बदला जा सकता है।
कारण : अधिकतर घरों में रोज़ आधा किलो से लेकर 2 किलो तक जैविक कचरा निकलता है।
विकल्प [1 mark]

(A) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(B) कथन गलत है और कारण सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं पर कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

Correct Answer: (D) कथन और कारण दोनों सही हैं पर कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

Solution:

Step 1: कथन और कारण को समझना कथन कहता है कि जो कचरा लैंडफिल में फेंका जाता है, उसे अब गमलों से कंपोस्ट में बदला जा सकता है। कारण कहता है कि घरों में रोज़ आधा किलो से 2 किलो तक जैविक कचरा निकलता है। हमें दोनों को अलग-अलग जाँचना है और फिर देखना है कि कारण कथन को समझाता है या नहीं।

Step 2: कथन जाँचना गद्यांश में यही बात लिखी है कि लैंडफिल पर फेंका जाने वाला कचरा अब गमलों के माध्यम से कंपोस्ट में बदला जा सकता है। इसलिए कथन सही है।

Step 3: कारण जाँचना गद्यांश में लिखा है कि अधिकतर घरों में रोज़ आधा किलो से लेकर 2 किलो तक जैविक कचरा निकलता है। इसलिए कारण भी सही है।

Step 4: संबंध जाँचना कचरे को कंपोस्ट में बदला जा सकता है, यह गमलों की तकनीक और विधि के कारण होता है। घरों में कितना कचरा निकलता है, यह केवल मात्रा बताता है। इस मात्रा का कचरे के कंपोस्ट में बदलने से कोई सीधा

संबंध नहीं है। इसलिए कारण कथन की व्याख्या नहीं करता।

Step 5: विकल्पों की जाँच (A) कारण को गलत बताता है, जबकि वह सही है। (B) कथन को गलत बताता है, जबकि वह सही है। (C) कहता है कि कारण व्याख्या करता है, जो ठीक नहीं है। (D) में दोनों सही हैं पर कारण व्याख्या नहीं करता, यही ठीक है।

Step 6: Conclusion **उत्तर: (D) कथन और कारण दोनों सही हैं पर कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।**

Quick Tip to Solve: दोनों वाक्य गद्यांश में खोजिए, फिर सोचिए कि कचरे की मात्रा से कचरे के कंपोस्ट बनने का कारण समझ आता है या नहीं।

2(IV). जैविक कचरे का भिन्न प्रयोग किस प्रकार पर्यावरण को फायदा पहुँचाता है? [2 marks]

Solution:

Concept:

- यहाँ 'भिन्न प्रयोग' का मतलब है जैविक कचरे को फेंकने के बजाय कंपोस्ट खाद बनाने में लगाना। हमें बताना है कि इससे पर्यावरण को क्या फायदा होता है।

Step 1: गद्यांश के आधार पर पहला बिंदु रसोई का जैविक कचरा गमलों में सूखे पत्तों या अखबार से ढककर रखा जाता है। तीन महीने से कम समय में यह कंपोस्ट खाद में बदल जाता है। यानी कचरा बेकार नहीं जाता, खाद बन जाता है।

Step 2: दूसरा बिंदु कंपोस्ट ऐसी खाद है जिसमें मिट्टी को दूषित करने वाला रसायन नहीं होता। इसलिए इसके उपयोग से मिट्टी साफ़ और सुरक्षित रहती है।

Step 3: तीसरा बिंदु पहले यही कचरा लैंडफिल में फेंका जाता था। अब वह वहाँ नहीं जाता, इसलिए प्रदूषण घटता है और पृथ्वी को दूषित होने से बचाया जा सकता है।

Step 4: Conclusion **उत्तर: जैविक कचरा कंपोस्ट खाद में बदल जाता है। इस खाद में मिट्टी को दूषित करने वाला रसायन नहीं होता और यह पृथ्वी को प्रदूषित होने से बचाती है।**

Quick Tip to Solve: सोचिए कि जैविक कचरा पहले कहाँ जाता था और अब किसमें बदलता है।

2(V). लेखक के अनुसार रसोई के कचरे से कंपोस्ट खाद बनाने का प्रयोग कचरा प्रबंधन और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए। [2 marks]

Solution:

Concept:

- हमें यह बताना है कि रसोई के कचरे से खाद बनाना दो काम करता है: कचरा प्रबंधन और जागरूकता बढ़ाना। दोनों के पक्ष में तर्क देने हैं।

Step 1: कचरा प्रबंधन के पक्ष में तर्क बंगलुरू जैसे शहर रोज़ करीब 3000 टन कचरा तैयार करते हैं। यदि घरों का जैविक कचरा घर पर ही कंपोस्ट बन जाए, तो लैंडफिल तक कम कचरा पहुँचेगा। इससे शहर पर कचरे का बोझ घटेगा।

Step 2: स्रोत पर प्रबंधन कचरा जहाँ पैदा होता है, वहीं उसका उपयोग हो जाए तो उसे इकट्ठा करने, ढोने और फेंकने का काम कम हो जाता है। इसलिए कचरा प्रबंधन आसान हो जाता है।

Step 3: जागरूकता के पक्ष में तर्क जब लोग खुद अपने घर में कचरे से खाद बनाते हैं, तो उन्हें समझ आता है कि कचरा बेकार नहीं है और पर्यावरण की रक्षा उनके अपने हाथ में है। बंगलुरू की सफलता देखकर दूसरे महानगरों ने भी यह प्रयोग अपनाया, जो जागरूकता के बढ़ने का प्रमाण है।

Step 4: Conclusion **उत्तर: रसोई का जैविक कचरा लैंडफिल में जाने से बचता है, जिससे प्रदूषण कम होता है। कचरा स्रोत पर ही उपयोग होने से कचरा प्रबंधन आसान बनता है। यह आदत लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाती है।**

Quick Tip to Solve: दो बातें सोचिए: कचरा लैंडफिल तक कम पहुँचेगा तो क्या होगा, और लोग खुद खाद बनाएँगे तो उनकी सोच कैसे बदलेगी।

खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण) (16 marks)

व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या 20 है | प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं |

3(I). निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:
उनकी आवाज़ सुनकर नस-नस में जोश भर जाता है।
(वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- पदबंध उस शब्द-समूह को कहते हैं जो वाक्य में एक पद की तरह काम करता है। उसमें उपवाक्य की तरह अलग कर्ता और पूरी क्रिया का संबंध नहीं होता।
- यहाँ वाक्य है: उनकी आवाज़ सुनकर नस-नस में जोश भर जाता है। रेखांकित समूह 'जोश भर जाता है' है। हमें इसका भेद बताना है.

Step 1: भेद पहचानने का नियम पदबंध के पाँच भेद हैं: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध और क्रिया-विशेषण पदबंध।
भेद इस बात से तय होता है कि पूरा समूह वाक्य में किस पद का काम करता है। जो समूह क्रिया का काम करे, वह क्रिया पदबंध कहलाता है।

Step 2: नियम को रेखांकित अंश पर लगाना रेखांकित समूह में 'भर जाता है' क्रिया है। 'जोश' के साथ मिलकर यह 'जोश भरना' का भाव देता है।
यह समूह बताता है कि नस-नस में क्या होता है। यानी यह वाक्य में क्रिया का काम कर रहा है।
यह किसी व्यक्ति या वस्तु का नाम नहीं है, इसलिए संज्ञा पदबंध नहीं है। यह किसी के बदले नहीं आया, इसलिए सर्वनाम पदबंध नहीं है।
यह किसी संज्ञा की विशेषता नहीं बताता और 'कैसे, कब, कहाँ' का उत्तर भी नहीं देता। इसलिए विशेषण या क्रिया-विशेषण पदबंध भी नहीं है।

Step 3: Conclusion रेखांकित पदबंध वाक्य में क्रिया का काम करता है।
उत्तर: क्रिया पदबंध

Quick Tip to Solve: देखिए कि रेखांकित समूह वाक्य में किस पद का काम कर रहा है। वह 'क्या होता है' बता रहा है।

3(II). तत्कालीन भद्र समाज तताँरा का घोर विरोधी था।
(वाक्य में से संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- पदबंध उस शब्द-समूह को कहते हैं जो वाक्य में एक पद की तरह काम करता है। उसमें उपवाक्य की तरह अलग कर्ता और पूरी क्रिया का संबंध नहीं होता।
- हमें वाक्य 'तत्कालीन भद्र समाज तताँरा का घोर विरोधी था' में से संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखना है।

Step 1: संज्ञा पदबंध का नियम जिस पदबंध का मुख्य शब्द संज्ञा हो और जो वाक्य में संज्ञा का काम करे, वह संज्ञा पदबंध कहलाता है।
ऐसे पदबंध में संज्ञा के साथ उसकी विशेषता बताने वाले शब्द जुड़े रहते हैं।

Step 2: वाक्य में संज्ञा पदबंध खोजना वाक्य में 'समाज' संज्ञा है और उससे पहले 'तत्कालीन' तथा 'भद्र' शब्द उसकी विशेषता बता रहे हैं।
यह समूह वाक्य में कर्ता का काम करता है। इसी के साथ व्यक्ति का नाम 'तताँरा' भी संज्ञा है।
वाक्य में 'का घोर विरोधी था' क्रिया वाला भाग है, इसलिए वह संज्ञा पदबंध नहीं है।
अंक योजना में उत्तर 'तत्कालीन भद्र समाज तताँरा' दिया गया है।

Step 3: Conclusion वाक्य का संज्ञा पदबंध वही शब्द-समूह है जिसके मुख्य शब्द संज्ञाएँ हैं।
उत्तर: तत्कालीन भद्र समाज तताँरा

Quick Tip to Solve: संज्ञा पदबंध में मुख्य शब्द संज्ञा होता है। वाक्य में कर्ता वाला समूह खोजिए।

3(III). समुद्री बालू पर बैठकर वह सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को निहारने लगा।
(वाक्य में से सर्वनाम पदबंध छाँटकर लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- वाक्य है: समुद्री बालू पर बैठकर वह सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को निहारने लगा।
- हमें इसमें से सर्वनाम पदबंध छाँटना है।

Step 1: सर्वनाम पदबंध का नियम जिस पदबंध का मुख्य शब्द सर्वनाम हो और जो वाक्य में सर्वनाम का काम करे, वह सर्वनाम पदबंध कहलाता है।
सर्वनाम वे शब्द हैं जो संज्ञा के बदले आते हैं, जैसे मैं, तुम, वह, यह।

Step 2: वाक्य में सर्वनाम पदबंध खोजना वाक्य में 'वह' सर्वनाम है। यह संज्ञा के बदले आया है और वाक्य का कर्ता है।
'समुद्री बालू पर बैठकर' शब्द-समूह बताता है कि वह कौन है, यानी उसकी स्थिति बताता है। यह समूह 'वह' के साथ जुड़कर कर्ता बन रहा है।
'सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को' संज्ञा पदबंध है, क्योंकि उसका मुख्य शब्द 'किरणों' संज्ञा है। इसलिए उसे नहीं चुनते।

Step 3: Conclusion मुख्य शब्द 'वह' के साथ जुड़ा पूरा समूह सर्वनाम पदबंध है।
उत्तर: समुद्री बालू पर बैठकर वह

Quick Tip to Solve: सर्वनाम पदबंध का मुख्य शब्द सर्वनाम होता है। 'वह' को ढूँढिए और देखिए उसके साथ कौन-से शब्द जुड़े हैं।

3(IV). <u>विरासत में मिली चीजों</u> को संभालकर रखा जाता है।
(वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- पदबंध उस शब्द-समूह को कहते हैं जो वाक्य में एक पद की तरह काम करता है। उसमें उपवाक्य की तरह अलग कर्ता और पूरी क्रिया का संबंध नहीं होता।
- रेखांकित समूह 'विरासत में मिली चीजों' है। हमें इसका भेद लिखना है।

Step 1: भेद पहचानने का नियम पदबंध के पाँच भेद हैं: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध और क्रिया-विशेषण पदबंध।
भेद का फ़ैसला पदबंध के मुख्य शब्द से होता है। मुख्य शब्द संज्ञा हो तो संज्ञा पदबंध बनता है।

Step 2: नियम को रेखांकित अंश पर लगाना इस समूह में 'चीजों' संज्ञा है। 'विरासत में मिली' शब्द उसकी विशेषता बताते हैं कि कौन-सी चीजें।
पूरा समूह वाक्य में कर्म का काम करता है, यानी जिसे संभालकर रखा जाता है वही चीजें हैं। यह किसी वस्तु का नाम

बताने वाला समूह है।
इसमें मुख्य शब्द न सर्वनाम है, न क्रिया और न क्रिया-विशेषण। इसलिए बाकी भेद सही नहीं हैं।

Step 3: Conclusion रेखांकित समूह का मुख्य शब्द संज्ञा है।
उत्तर: संज्ञा पदबंध

Quick Tip to Solve: रेखांकित समूह का मुख्य शब्द 'चीजों' है। वह संज्ञा है या क्रिया, यह देखिए।

3(V). समुद्र की लहरें धीरे-धीरे मद्धम गति से किनारों की ओर बढ़ी आ रही थीं।
(वाक्य में से क्रिया-विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- वाक्य है: समुद्र की लहरें धीरे-धीरे मद्धम गति से किनारों की ओर बढ़ी आ रही थीं।
- इसमें से हमें क्रिया-विशेषण पदबंध छाँटना है।

Step 1: क्रिया-विशेषण पदबंध का नियम क्रिया की विशेषता बताने वाला शब्द-समूह क्रिया-विशेषण पदबंध कहलाता है। वह रीति, समय, स्थान या मात्रा बताता है।
इसे पहचानने के लिए क्रिया से पूछिए: कैसे, कब, कहाँ या कितना।

Step 2: वाक्य में क्रिया-विशेषण पदबंध खोजना वाक्य की क्रिया 'बढ़ी आ रही थीं' है। पूछिए: लहरें कैसे बढ़ी आ रही थीं?
उत्तर मिलता है: धीरे-धीरे मद्धम गति से। यह समूह क्रिया की रीति बताता है।
'किनारों की ओर' दिशा बताता है और उसका मुख्य शब्द 'किनारों' संज्ञा है। इसलिए वह क्रिया-विशेषण पदबंध नहीं माना जाता। 'कैसे' का उत्तर देने वाला समूह ही सही है।

Step 3: Conclusion रीति बताने वाला समूह क्रिया की विशेषता है।
उत्तर: धीरे-धीरे मद्धम गति से

Quick Tip to Solve: लहरें कैसे बढ़ी आ रही थीं? इसी प्रश्न का उत्तर देने वाला समूह क्रिया-विशेषण पदबंध है।

4(I). निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:
थोड़ा-सा ताँबा मिला होने के कारण गिन्नी का सोना ज़्यादा चमकता है।
(संयुक्त वाक्य में रूपांतरण कीजिए) [1 mark]

Solution:

Step 1: मूल वाक्य को समझना मूल वाक्य सरल वाक्य है: थोड़ा-सा ताँबा मिला होने के कारण गिन्नी का सोना ज़्यादा चमकता है।
इसमें एक ही मुख्य क्रिया 'चमकता है' है। 'मिला होने के कारण' कारण बताने वाला शब्द-समूह है।

Step 2: संयुक्त वाक्य का नियम संयुक्त वाक्य में दो या अधिक स्वतंत्र उपवाक्य होते हैं। वे 'और, इसलिए, लेकिन, या' जैसे योजक शब्दों से जुड़ते हैं।
कारण और परिणाम का भाव 'इसलिए' से जोड़कर संयुक्त वाक्य में दिखाया जा सकता है।

Step 3: वाक्य को तोड़ना और जोड़ना पहला स्वतंत्र वाक्य: गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिला है।
दूसरा स्वतंत्र वाक्य: गिन्नी का सोना ज़्यादा चमकता है। इसमें 'गिन्नी का सोना' की जगह 'वह' लिखा जा सकता है।
दोनों को 'इसलिए' से जोड़ने पर वाक्य बनता है: गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिला है इसलिए वह ज़्यादा चमकता है।
दोनों उपवाक्य अपने-आप में पूरे हैं और बराबर दर्जे के हैं, इसलिए यह संयुक्त वाक्य है।

Step 4: Conclusion अर्थ वही रहा, केवल रचना बदली।
उत्तर: गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिला है इसलिए वह ज़्यादा चमकता है।

Quick Tip to Solve: कारण वाले भाग को अलग स्वतंत्र वाक्य बनाइए और दोनों को 'इसलिए' से जोड़िए।

4(II). जो लोग काम करने वाले थे उन सबको इंस्पेक्टर द्वारा सूचना दे दी गई थी।
(सरल वाक्य में रूपांतरण कीजिए) [1 mark]

Solution:

Step 1: मूल वाक्य को समझना मूल वाक्य: जो लोग काम करने वाले थे उन सबको इंस्पेक्टर द्वारा सूचना दे दी गई थी।
इसमें 'जो ... थे' और 'उन सबको ... दी गई थी' दो क्रिया वाले भाग हैं। यह मिश्र वाक्य है, क्योंकि 'जो' वाला उपवाक्य मुख्य उपवाक्य पर निर्भर है।

Step 2: सरल वाक्य का नियम सरल वाक्य में केवल एक उपवाक्य होता है, यानी एक ही मुख्य क्रिया होती है।
आश्रित उपवाक्य को सरल वाक्य में बदलने के लिए उसे एक शब्द या शब्द-समूह बना दिया जाता है, जैसे विशेषण वाला समूह।

Step 3: उपवाक्य को शब्द-समूह में बदलना 'जो लोग काम करने वाले थे' का अर्थ है 'काम करने वाले लोग'। इसमें क्रिया 'थे' हटा दी जाती है।
'उन सबको' इसी के लिए दोबारा आया था। अब इसकी ज़रूरत नहीं, इसलिए 'लोगों को' लिखिए।
नया वाक्य: काम करने वाले लोगों को इंस्पेक्टर द्वारा सूचना दे दी गई थी।
अब वाक्य में एक ही क्रिया 'दे दी गई थी' है, इसलिए यह सरल वाक्य है।

Step 4: Conclusion अर्थ में कोई बदलाव नहीं आया।
उत्तर: काम करने वाले लोगों को इंस्पेक्टर द्वारा सूचना दे दी गई थी।

Quick Tip to Solve: 'जो लोग काम करने वाले थे' इस उपवाक्य को छोटे शब्द-समूह 'काम करने वाले लोगों' में बदल दीजिए।

4(III). हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी लोक-तत्त्व का अभाव होता है।
(मिश्र वाक्य में रूपांतरण कीजिए) [1 mark]

Solution:

Step 1: मूल वाक्य को समझना मूल वाक्य: हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी लोक-तत्त्व का अभाव होता है।
इसमें एक ही क्रिया 'होता है' है, इसलिए यह सरल वाक्य है। इसका भाव है कि हमारी फ़िल्मों की बड़ी कमी लोक-तत्त्व का न होना है।

Step 2: मिश्र वाक्य का नियम मिश्र वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और एक या अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं।
आश्रित उपवाक्य को मुख्य उपवाक्य से 'कि, जो, जब, क्योंकि, यदि' जैसे शब्द जोड़ते हैं।

Step 3: दो उपवाक्य बनाना मुख्य उपवाक्य: यह हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी है।
आश्रित उपवाक्य: उनमें लोक-तत्त्व का अभाव होता है। यहाँ 'फ़िल्मों' की जगह 'उनमें' लिखा गया है।
'कि' लगाकर जोड़ने पर वाक्य बनता है: यह हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी है कि उनमें लोक-तत्त्व का अभाव होता है।
दूसरा उपवाक्य पहले पर निर्भर है, इसलिए यह मिश्र वाक्य है।

Step 4: Conclusion भाव वही रहा, केवल रचना बदली।
उत्तर: यह हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी है कि उनमें लोक-तत्त्व का अभाव होता है।

Quick Tip to Solve: वाक्य के भाव को दो भागों में बाँटिए और आश्रित भाग को 'कि' से जोड़ दीजिए।

4(IV). वामीरो तेज़ कदमों से चलती हुई आई और तताँरा के सामने आकर ठिठक गई।
(रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं: सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य।
- हमें वाक्य 'वामीरो तेज़ कदमों से चलती हुई आई और तताँरा के सामने आकर ठिठक गई' का भेद बताना है।

Step 1: तीनों भेदों के नियम सरल वाक्य में एक उपवाक्य होता है। संयुक्त वाक्य में दो या अधिक स्वतंत्र उपवाक्य होते हैं, जो 'और, तथा, लेकिन, इसलिए' से जुड़ते हैं।
मिश्र वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और उस पर निर्भर आश्रित उपवाक्य होता है, जो 'कि, जो, जब, यदि' जैसे शब्दों से जुड़ता है।

Step 2: वाक्य में नियम लगाना पहला भाग: वामीरो तेज़ कदमों से चलती हुई आई। यह अपने-आप में पूरा है।
दूसरा भाग: (वामीरो) तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। यह भी पूरा है और इसका कर्ता वही है।
इन दोनों भागों को 'और' ने जोड़ा है। कोई भाग दूसरे पर निर्भर नहीं है।
वाक्य में 'कि, जो, जब' जैसा कोई आश्रित जोड़ने वाला शब्द नहीं है, इसलिए यह मिश्र नहीं है।

Step 3: Conclusion दो स्वतंत्र उपवाक्य 'और' से जुड़े हैं।
उत्तर: संयुक्त वाक्य

Quick Tip to Solve: देखिए कि वाक्य में दो स्वतंत्र बातें हैं, जिन्हें 'और' ने जोड़ा है।

4(V). जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं उसमें पास हो गया।
(रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- रचना के आधार पर वाक्य सरल, संयुक्त या मिश्र होता है।
- हमें वाक्य 'जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं उसमें पास हो गया' का भेद बताना है।

Step 1: भेदों के नियम जिस वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और उस पर निर्भर आश्रित उपवाक्य हो, वह मिश्र वाक्य कहलाता है।
आश्रित उपवाक्य 'कि, जो, जब, जहाँ, यदि, क्योंकि' जैसे शब्दों से शुरू होता है।

Step 2: वाक्य को बाँटना पहला उपवाक्य: जब सालाना इम्तिहान हुआ। इसमें 'जब' लगा है, इसलिए यह अकेले पूरा अर्थ नहीं देता। यह आश्रित उपवाक्य है।
दूसरा उपवाक्य: मैं उसमें पास हो गया। यह अकेले भी पूरा वाक्य है, यानी मुख्य उपवाक्य है।
'तो' दोनों भागों के बीच समय का संबंध जोड़ता है।
एक आश्रित और एक मुख्य उपवाक्य है, इसलिए यह मिश्र वाक्य है।

Step 3: Conclusion आश्रित उपवाक्य 'जब' से शुरू हुआ है।
उत्तर: मिश्र वाक्य

Quick Tip to Solve: 'जब' से शुरू होने वाला भाग मुख्य बात पर निर्भर है। ऐसे वाक्य को क्या कहते हैं?

5(I). निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:
'अन्न-जल' - शब्द का सामासिक विग्रह कर समास का नाम लिखिए। [1 mark]

Solution:

Concept:

- समास में दो या अधिक शब्द मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं। उन शब्दों को अलग-अलग करके अर्थ बताना विग्रह कहलाता है।
- हमें 'अन्न-जल' का विग्रह करना है और समास का नाम बताना है।

Step 1: द्वंद्व समास का नियम जिस समास में दोनों पद प्रधान हों और विग्रह करने पर उनके बीच 'और, तथा, या' आए, वह द्वंद्व समास कहलाता है।
इसमें दोनों पदों का अर्थ बराबर महत्त्व रखता है।

Step 2: शब्द पर नियम लगाना 'अन्न-जल' में पहला पद 'अन्न' है और दूसरा पद 'जल' है। दोनों का अर्थ एक जैसा महत्त्वपूर्ण है।
विग्रह: अन्न और जल।
दोनों पद बराबर हैं और बीच में 'और' आया है, इसलिए यह द्वंद्व समास है।

Step 3: Conclusion विग्रह और समास का नाम नीचे दिया है।
उत्तर: अन्न और जल - द्वंद्व समास

Quick Tip to Solve: दोनों पद बराबर महत्त्व के हैं और बीच में 'और' छिपा है। ऐसा समास कौन-सा है?

5(II). 'जनता का सेवक' - समस्त पद बनाकर समास का भेद लिखिए। [1 mark]

Solution:

Concept:

- समास का उलटा विग्रह है। यहाँ विग्रह दिया है, 'जनता का सेवक', और हमें समस्त पद बनाकर समास का भेद बताना है।

Step 1: समस्त पद बनाना 'का' जैसे विभक्ति चिह्न को हटाकर दोनों शब्दों को मिलाइए।
'जनता' से 'जन' बनता है और 'सेवक' जैसा रहता है। इसलिए समस्त पद 'जनसेवक' बनता है।

Step 2: समास का भेद पहचानना तत्पुरुष समास में दूसरा पद प्रधान होता है और पहले पद के साथ का कारक चिह्न (का, को, से, के लिए) छिपा रहता है।
'जनता का सेवक' में दूसरा पद 'सेवक' प्रधान है, क्योंकि बात सेवक की हो रही है। 'का' विभक्ति छिपी है।
यह संबंध कारक है, इसलिए यह तत्पुरुष समास है।

Step 3: Conclusion समस्त पद और भेद नीचे दिए हैं।
उत्तर: जनसेवक - तत्पुरुष समास

Quick Tip to Solve: 'का' विभक्ति छिपी है और दूसरा पद प्रधान है। ऐसा समास कौन-सा है?

5(III). 'आमरण' शब्द का सामासिक विग्रह कर समास का नाम लिखिए। [1 mark]

Solution:

Concept:

- हमें 'आमरण' शब्द को तोड़कर उसका विग्रह बताना है और समास का नाम लिखना है।

Step 1: अव्ययीभाव समास का नियम जिस समास में पहला पद अव्यय हो और वही प्रधान हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।
पूरा शब्द अव्यय (क्रिया-विशेषण) की तरह बन जाता है, यानी उसका रूप नहीं बदलता।

Step 2: शब्द पर नियम लगाना 'आमरण' में 'आ' पहला पद है, जिसका अर्थ 'तक' है। यह अव्यय है। दूसरा पद 'मरण' है।
विग्रह: मरण तक।
पहला पद अव्यय है और पूरा शब्द अर्थ में 'मृत्यु तक' जैसा अविकारी बन गया है। इसलिए यह अव्ययीभाव समास है।

Step 3: Conclusion विग्रह और समास का नाम नीचे दिया है।
उत्तर: मरण तक - अव्ययीभाव समास

Quick Tip to Solve: 'आ' उपसर्ग जैसा अव्यय पहले आया है और पूरा शब्द क्रिया-विशेषण जैसा बना है।

5(IV). 'सूक्तिबाण' सामासिक पद में प्रयुक्त पूर्व पद और उत्तर पद अलग कर समास का भेद लिखिए। [1 mark]

Solution:

Concept:

- सामासिक पद में पहले शब्द को पूर्व पद और दूसरे शब्द को उत्तर पद कहते हैं।
- हमें 'सूक्तिबाण' के दोनों पद अलग करने हैं और समास का भेद बताना है।

Step 1: पद अलग करना 'सूक्तिबाण' में 'सूक्ति' पहले आया है और 'बाण' बाद में। इसलिए पूर्व पद 'सूक्ति' है और उत्तर पद 'बाण' है।

Step 2: समास का भेद तय करना कर्मधारय समास में पहला पद विशेषण या उपमेय होता है और दूसरा पद विशेष्य या उपमान होता है। दोनों का कर्ता एक ही होता है।
यहाँ 'सूक्ति' (अच्छी बात) की तुलना 'बाण' से की गई है। विग्रह है: सूक्ति रूपी बाण।
दोनों पद एक ही चीज़ के रूप हैं और दूसरा पद प्रधान है। इसलिए यह कर्मधारय समास है।

Step 3: Conclusion पूर्व पद और उत्तर पद अलग किए और भेद पहचाना।
उत्तर: पूर्व पद - सूक्ति; उत्तर पद - बाण; भेद - कर्मधारय समास

Quick Tip to Solve: 'सूक्ति रूपी बाण' में पहला पद उपमेय और दूसरा उपमान है। यह कौन-सा समास है?

5(V). 'पीतांबर' शब्द का सामासिक विग्रह कर समास का नाम लिखिए। [1 mark]

Solution:

Concept:

- हमें 'पीतांबर' को तोड़कर उसका विग्रह बताना है और समास का नाम लिखना है।
- 'पीत' का अर्थ पीला है और 'अंबर' का अर्थ वस्त्र है।

Step 1: दोनों संभावित समासों के नियम कर्मधारय समास में पहला पद विशेषण और दूसरा विशेष्य होता है। दोनों से मिलकर उसी वस्तु का बोध होता है।
बहुव्रीहि समास में दोनों पद मिलकर किसी तीसरे अर्थ का बोध कराते हैं और विग्रह में 'जिसका, जिसके, वह' जैसे शब्द आते हैं।

Step 2: विग्रह करना पहला अर्थ: पीला है जो अंबर, यानी केवल पीला कपड़ा। इसमें 'पीला' विशेषण है और 'अंबर'

विशेष्य है। यह कर्मधारय समास है।
दूसरा अर्थ: पीला है अंबर जिसका, अर्थात विष्णु। इसमें दोनों पद मिलकर तीसरे व्यक्ति विष्णु का बोध कराते हैं। यह बहुव्रीहि समास है।
अंक योजना के अनुसार इनमें से कोई भी एक उत्तर स्वीकार किया जाएगा।

Step 3: Conclusion कोई एक विग्रह और उसका समास लिखना काफ़ी है।
उत्तर: पीला है अंबर जिसका अर्थात विष्णु - बहुव्रीहि समास (या पीला है जो अंबर - कर्मधारय समास)

Quick Tip to Solve: 'पीला अंबर' दो तरह से पढ़ा जा सकता है। MS में दोनों अर्थ मान्य हैं।

6(I). निर्देशानुसार 'मुहावरों' पर आधारित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

वह फेल क्या हुआ, पूरा परिवार टोपी की टोपी उछालता हुआ नज़र आया। (वाक्य में प्रयुक्त मुहावरा छाँटकर लिखिए)

[1 mark]

Solution:

Concept:

- मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर कोई विशेष अर्थ देता है। वाक्य में प्रयोग होने पर ही उसका रूप सही बैठता है।
- हमें दिए गए वाक्य में से मुहावरा छाँटकर लिखना है।

Step 1: मुहावरा पहचानने की विधि वाक्य के हर वाक्यांश को उसके सीधे अर्थ में पढ़िए। जहाँ सीधा अर्थ बैठे ही नहीं या बेतुका लगे, वहाँ मुहावरा हो सकता है।
मुहावरे में अक्सर क्रिया के साथ कोई संज्ञा जुड़ी होती है, जैसे 'आँख दिखाना', 'हाथ मलना'।

Step 2: वाक्य में खोजना वाक्य में 'टोपी उछालता हुआ' वाक्यांश आया है। टोपी को हवा में उछालना सामान्य क्रिया भी है, पर यहाँ पूरे परिवार का नज़र आना किसी विशेष भाव को दिखाता है।
'टोपी उछालना' हिंदी का प्रचलित मुहावरा है। यही मुहावरा वाक्य में प्रयुक्त हुआ है।
'फेल हुआ' और 'नज़र आया' साधारण क्रियाएँ हैं, जिनमें कोई विशेष अर्थ नहीं छिपा।

Step 3: Conclusion वाक्य में प्रयुक्त मुहावरा नीचे दिया है।
उत्तर: टोपी उछालना

Quick Tip to Solve: वाक्य में कोई वाक्यांश अपना सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ दे रहा है। उसे खोजिए।

6(II). सन्नाटा सुनाई देना - मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

[1 mark]

Solution:

Concept:

- मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर कोई विशेष अर्थ देता है। वाक्य में प्रयोग होने पर ही उसका रूप सही बैठता है।
- हमें 'सन्नाटा सुनाई देना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करना है।

Step 1: मुहावरे का अर्थ 'सन्नाटा सुनाई देना' का अर्थ है पूर्ण शांति होना, यानी चारों ओर इतनी चुप्पी कि वह चुप्पी ही महसूस हो।
वाक्य में ऐसा प्रसंग रखना चाहिए जहाँ बहुत अधिक शांति हो, जैसे आधी रात का समय या सुनसान जगह।

Step 2: वाक्य बनाना वाक्य: देर रात को पूरे बाज़ार में इतनी शांति थी कि चारों ओर सन्नाटा सुनाई दे रहा था।
इस वाक्य में मुहावरा अपने पूरे रूप में आया है और उसका अर्थ वाक्य के भाव से मेल खाता है।
दूसरा वाक्य भी बन सकता है: परीक्षा भवन में पर्चे बँटते ही ऐसा सन्नाटा छा गया कि सब कुछ ख़ामोश हो गया। पर उत्तर में मुहावरे के शब्द ज्यों-के-त्यों होने चाहिए।

Step 3: Conclusion मुहावरे का शब्द-रूप वाक्य में बना रहा।
उत्तर: देर रात को पूरे बाज़ार में इतनी शांति थी कि चारों ओर सन्नाटा सुनाई दे रहा था।

Quick Tip to Solve: पहले मुहावरे का अर्थ सोचिए: चारों ओर इतनी शांति कि कोई आवाज़ न हो। फिर उसी भाव का वाक्य बनाइए।

6(III). तलवार खींचना - मुहावरे का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए। [1 mark]

Solution:

Concept:

- मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर कोई विशेष अर्थ देता है। वाक्य में प्रयोग होने पर ही उसका रूप सही बैठता है।
- इस प्रश्न में दो काम हैं: मुहावरे का अर्थ बताना और उसका वाक्य में प्रयोग करना।

Step 1: अर्थ बताना 'तलवार खींचना' का शाब्दिक अर्थ है म्यान से तलवार बाहर निकालना।
मुहावरे के रूप में इसका अर्थ है युद्ध या संघर्ष के लिए तैयार हो जाना।

Step 2: वाक्य बनाना वाक्य में कोई ऐसा प्रसंग लीजिए जिसमें किसी के विरुद्ध लड़ाई या संघर्ष की तैयारी दिखे।
वाक्य: अन्याय होते देख सैनिकों ने अत्याचारियों के विरुद्ध तलवार खींच ली।
यहाँ 'तलवार खींच ली' का अर्थ वास्तव में तलवार निकालना नहीं, बल्कि संघर्ष के लिए तैयार होना है।

Step 3: Conclusion अर्थ और वाक्य दोनों नीचे दिए हैं।
उत्तर: अर्थ - युद्ध या संघर्ष के लिए तैयार हो जाना। वाक्य - अन्याय होते देख सैनिकों ने अत्याचारियों के विरुद्ध तलवार खींच ली।

Quick Tip to Solve: पहले अर्थ लिखिए, फिर उसी अर्थ का एक वाक्य बनाइए जिसमें 'तलवार खींच' आए।

6(IV). देश के रखवाले ..... बाँध कर निकले हैं, अब उन्हें कोई भी मुश्किल रोक नहीं सकती। (रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित मुहावरा लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर कोई विशेष अर्थ देता है। वाक्य में प्रयोग होने पर ही उसका रूप सही बैठता है।
- वाक्य में 'बाँध कर' से पहले जगह खाली है। उसमें ऐसा मुहावरा आएगा जो 'बाँधकर निकलने' से जुड़ा हो।

Step 1: वाक्य का भाव समझना वाक्य कहता है कि देश के रखवाले ऐसा कुछ बाँधकर निकले हैं कि अब कोई मुश्किल उन्हें रोक नहीं सकती।
इसका भाव है कि वे मरने-मारने को तैयार हैं और जान की परवाह नहीं कर रहे।

Step 2: उचित मुहावरा चुनना 'सिर पर कफ़न बाँधना' का अर्थ है जान की परवाह न करके किसी काम के लिए तैयार हो जाना।
वाक्य में 'बाँध कर' पहले से लिखा है, इसलिए रिक्त स्थान में 'सिर पर कफ़न' आएगा।
पूरा वाक्य: देश के रखवाले सिर पर कफ़न बाँध कर निकले हैं, अब उन्हें कोई भी मुश्किल रोक नहीं सकती।

Step 3: Conclusion खाली जगह भरने पर वाक्य का अर्थ पूरा हो जाता है।
उत्तर: सिर पर कफ़न

Quick Tip to Solve: सैनिक जान की परवाह किए बिना निकले हैं। 'बाँध कर' से पहले क्या बाँधा जाता है?

6(V). जैसे ही उसने बड़े भाईसाहब को अपनी तरफ़ आते देखा, उसके ..... गए। (रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित मुहावरा लिखिए) [1 mark]

Solution:

Concept:

- मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर कोई विशेष अर्थ देता है। वाक्य में प्रयोग होने पर ही उसका रूप सही बैठता है।
- वाक्य के अंत में 'गए' आया है और उससे पहले जगह खाली है। हमें ऐसा मुहावरा लिखना है जिसके अंत में 'गए' लगे।

Step 1: वाक्य का भाव समझना बड़े भाईसाहब को अपनी तरफ़ आते देखकर लड़का डर गया। यहाँ डर और घबराहट का भाव है।
इसलिए मुहावरा ऐसा होना चाहिए जो बहुत घबरा जाने का अर्थ दे।

Step 2: उचित मुहावरे चुनना 'हाथ-पाँव फूल जाना' का अर्थ है बहुत घबरा जाना। 'उसके हाथ-पाँव फूल गए' वाक्य में ठीक बैठता है।
इसी तरह 'तोते उड़ जाना', 'प्राण सूख जाना' और 'होश उड़ जाना' भी डर या घबराहट का भाव देते हैं और रिक्त स्थान में आ सकते हैं।
पूरा वाक्य: जैसे ही उसने बड़े भाईसाहब को अपनी तरफ़ आते देखा, उसके हाथ-पाँव फूल गए।

Step 3: Conclusion इनमें से कोई भी एक मुहावरा लिखना सही है।
उत्तर: हाथ-पाँव फूल गए

Quick Tip to Solve: बड़े भाईसाहब को आते देखकर डर लगा। डर के लिए कौन-सा मुहावरा 'गए' पर ख़त्म होता है?

खंड 'ग' ('स्पर्श' एवं 'संचयन' पाठ्यपुस्तक के आधार पर) (28 marks)

पाठ्य पुस्तक और पूरक पाठ्य पुस्तक पर आधारित कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या 21 है | प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं |

7(I). निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

कवि द्वारा पौराणिक पात्रों का प्रयोग मुख्यतः किस उद्देश्य से किया गया है? [1 mark]

(A) धार्मिक भावना और आस्था को जगाने के लिए

(B) कथा को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए

(C) ऐतिहासिक घटनाओं और तथ्यों का वर्णन करने के लिए

(D) राष्ट्रीय चेतना को प्रतीकों के माध्यम से व्यक्त करने के लिए

Correct Answer: (D) राष्ट्रीय चेतना को प्रतीकों के माध्यम से व्यक्त करने के लिए

Solution:

Concept:

- प्रश्न यह पूछ रहा है कि कवि ने राम, लक्ष्मण, सीता और रावण जैसे पात्र क्यों लिए हैं।
- हमें पात्रों के पीछे छिपा उद्देश्य पहचानना है, कथा सुनाना नहीं।

Step 1: काव्यांश के पात्रों का अर्थ कवि कहता है, 'इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई' और 'छू न पाए सीता का दामन कोई'।
यहाँ सीता मातृभूमि का प्रतीक है और रावण शत्रु का प्रतीक है।
राम और लक्ष्मण देश के हर नागरिक और सैनिक के प्रतीक हैं।
यानी पात्र अपने कथा वाले अर्थ में नहीं, देश से जुड़े प्रतीक बनकर आए हैं।

Step 2: विकल्प (A) की जाँच काव्यांश में पूजा, भक्ति या आस्था की कोई बात नहीं है। कवि धर्म नहीं, देश की रक्षा की बात करता है। इसलिए (A) गलत है।

Step 3: विकल्प (B) की जाँच यहाँ कोई कथा चल ही नहीं रही है। कवि साथियों को सीधे देश की रक्षा के लिए पुकार रहा है। कथा को रोचक बनाना उसका उद्देश्य नहीं है। इसलिए (B) गलत है।

Step 4: विकल्प (C) की जाँच काव्यांश में किसी ऐतिहासिक घटना या तथ्य का वर्णन नहीं है। रामायण के पात्र यहाँ किसी घटना को बताने नहीं, एक भाव जगाने के लिए आए हैं। इसलिए (C) गलत है।

Step 5: विकल्प (D) की जाँच यहाँ पात्रों के सहारे देश की रक्षा और देशप्रेम का भाव जगाया गया है। यही राष्ट्रीय चेतना को प्रतीकों के माध्यम से कहना है। इसलिए (D) सही है।

Step 6: Conclusion कवि ने रामायण के पात्रों को देश और शत्रु के प्रतीक बनाकर राष्ट्रीय चेतना जगाई है। **उत्तर: (D) राष्ट्रीय चेतना को प्रतीकों के माध्यम से व्यक्त करने के लिए**

Quick Tip to Solve: देखिए कि राम, लक्ष्मण, सीता और रावण यहाँ अपने असली अर्थ में आए हैं या किसी और चीज़ के प्रतीक बनकर।

7(II). 'रावन' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [1 mark]

(A) संकट के लिए

(B) शत्रु देश के लिए

(C) सैनिकों के लिए

(D) देशवासियों के लिए

Correct Answer: (B) शत्रु देश के लिए

Solution:

Concept:

- प्रश्न 'रावन' शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पूछता है। रामायण में रावण वह खल पात्र है जिसने सीता का हरण किया था।

Step 1: काव्यांश में संदर्भ कवि कहता है, 'इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई'। इसका मतलब है कि इस रेखा के इस तरफ़ कोई रावण न आए।
रेखा देश की सीमा जैसी है। सीमा के उस पार से आकर देश को हानि पहुँचाने वाला शत्रु ही होता है।
इसलिए रावण यहाँ शत्रु का प्रतीक है।

Step 2: विकल्प (A) की जाँच 'कोई' शब्द किसी व्यक्ति या शक्ति के लिए आता है, संकट जैसी स्थिति के लिए नहीं। इसलिए (A) गलत है।

Step 3: विकल्प (C) और (D) की जाँच सैनिक और देशवासी तो राम और लक्ष्मण की तरह रक्षा करने वाले हैं। उन्हें रोकने की बात कवि नहीं करता। इसलिए (C) और (D) गलत हैं।

Step 4: Conclusion रावण यहाँ देश पर बुरी नज़र रखने वाले शत्रु का प्रतीक है। **उत्तर: (B) शत्रु देश के लिए**

Quick Tip to Solve: रावण ने सीता का हरण किया था। इस काव्यांश में सीता किसका प्रतीक है, यह सोचिए।

7(III). इस काव्यांश का संदेश है- [1 mark]

(A) हमें लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए

(B) हमें राम-लक्ष्मण से सीख लेनी चाहिए

(C) हमें मातृभूमि को सीता समझना चाहिए

(D) हमें देश की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए

Correct Answer: (D) हमें देश की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए

Solution:

Concept:

- प्रश्न पूरे काव्यांश का केंद्रीय संदेश पूछता है। किसी एक पंक्ति का नहीं, सभी पंक्तियों का सार चाहिए।

Step 1: पंक्तियों का सार निकालना पहली दो पंक्तियों में सीमा की रेखा खींचकर शत्रु को रोकने की बात है।
तीसरी और चौथी पंक्ति में कहा गया है कि जो हाथ देश की ओर उठे, उसे तोड़ दो।
अंतिम दो पंक्तियों में कवि कहता है कि अब वतन तुम्हारे हवाले है।
इन सबका एक ही मतलब है कि देश की रक्षा करने की ज़िम्मेदारी हमारी है और हमें इसके लिए तैयार रहना है।

Step 2: विकल्प (A) की जाँच काव्यांश का उद्देश्य लड़ाई करना नहीं, देश को सुरक्षित रखना है। लड़ना रक्षा का एक तरीका हो सकता है, पूरा संदेश नहीं। इसलिए (A) अधूरा है।

Step 3: विकल्प (B) की जाँच राम और लक्ष्मण का नाम केवल प्रतीक के रूप में आया है। उनसे सीख लेना कवि का मुख्य संदेश नहीं है। इसलिए (B) गलत है।

Step 4: विकल्प (C) की जाँच मातृभूमि को सीता कहना एक उपमा है, जो कवि के कथन का एक हिस्सा है। पूरा संदेश उसके पीछे की रक्षा की भावना है। इसलिए (C) भी पूरा उत्तर नहीं है।

Step 5: Conclusion सभी उदाहरण देश की रक्षा की ओर इशारा करते हैं। **उत्तर: (D) हमें देश की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए**

Quick Tip to Solve: पूरे काव्यांश की सभी पंक्तियाँ किस एक बात की ओर इशारा करती हैं, वही संदेश है।

7(IV). काव्यांश के आधार पर निम्नलिखित विचार पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

(i) कवि शत्रु के प्रति अकारण हिंसा करने का समर्थन करता है।

(ii) कवि के अनुसार केवल शक्ति प्रदर्शन ही राष्ट्र रक्षा का पर्याप्त माध्यम है।

(iii) देश की मर्यादा और सुरक्षा के लिए सदैव सजग और तत्पर रहने का संदेश दिया गया है।

(iv) काव्यांश नागरिकों को व्यक्तिगत जीवन से ऊपर उठकर राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने की प्रेरणा देता है। [1 mark]

(A) कथन (i) और (iii) सही हैं।

(B) कथन (iii) और (iv) सही हैं।

(C) कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं।

(D) केवल कथन (iii) सही है।

Correct Answer: (B) कथन (iii) और (iv) सही हैं।

Solution:

Concept:

- चार कथन दिए हैं। हमें देखना है कि इनमें से कौन-से काव्यांश से मेल खाते हैं, फिर उसी जोड़ी वाला विकल्प चुनना है।

Step 1: कथन (i) की जाँच कवि शत्रु को रोकने की बात करता है, पर अकारण हिंसा का समर्थन नहीं करता। वह तो अपने देश की रक्षा के लिए तैयार रहने को कहता है। इसलिए कथन (i) गलत है।

Step 2: कथन (ii) की जाँच कवि शक्ति की बात करता है, पर उसे रक्षा का पर्याप्त साधन नहीं कहता। उसके लिए

सजगता, साहस और ज़िम्मेदारी की भावना भी ज़रूरी है। इसलिए कथन (ii) गलत है।

Step 3: कथन (iii) की जाँच 'खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर' और 'छू न पाए सीता का दामन कोई' पंक्तियाँ देश की मर्यादा और सुरक्षा के लिए सदा तैयार रहने को कहती हैं। इसलिए कथन (iii) सही है।

Step 4: कथन (iv) की जाँच 'राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो' कहकर कवि हर नागरिक को देश का रक्षक बनाता है। यानी निजी जीवन से ऊपर उठकर राष्ट्र का कर्तव्य निभाने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए कथन (iv) सही है।

Step 5: विकल्पों का चयन सही कथन (iii) और (iv) हैं। यह जोड़ी विकल्प (B) में है। (A), (C) और (D) में कोई गलत कथन जुड़ा है या सही कथन छूट गया है।

Step 6: Conclusion **उत्तर: (B) कथन (iii) और (iv) सही हैं।**

Quick Tip to Solve: हर कथन को काव्यांश की पंक्तियों से मिलाइए। जो कथन पंक्तियों से सीधे निकलता हो, वही सही है।

7(V). निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए :
कथन : इस काव्यांश में कवि देश की रक्षा के लिए हर प्रकार के बलिदान की प्रेरणा देता है।
कारण : कवि देश की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण मानता है। [1 mark]

(A) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(B) कथन गलत है और कारण सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(D) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

Correct Answer: (C) कथन और कारण दोनों सही हैं।

Solution:

Concept:

- इस प्रश्न में एक कथन और एक कारण है। हमें दोनों को अलग-अलग जाँचना है कि वे काव्यांश के अनुसार सही हैं या गलत।

Step 1: कथन की जाँच कवि कहता है कि अपने खून से ज़मीन पर लकीर खींच दो। यह देश के लिए बलिदान की प्रेरणा है। वह कहता है कि वतन अब तुम्हारे हवाले है, यानी रक्षा की पूरी ज़िम्मेदारी तुम पर है। इसलिए कथन सही है।

Step 2: कारण की जाँच कवि शत्रु को रोकने, सीता का दामन बचाने और वतन सँभालने की बात करता है। इन सबसे दिखता है कि उसके लिए देश की सुरक्षा सबसे ऊपर है। इसलिए कारण भी सही है।

Step 3: विकल्प (A) और (B) की जाँच (A) में कारण को गलत कहा गया है, जबकि वह सही है। (B) में कथन को गलत कहा गया है, जबकि वह सही है। दोनों विकल्प गलत हैं।

Step 4: विकल्प (D) की जाँच (D) में दोनों को गलत कहा गया है, जबकि दोनों सही हैं। यह भी गलत है।

Step 5: Conclusion कथन और कारण दोनों सही हैं। **उत्तर: (C) कथन और कारण दोनों सही हैं।**

Quick Tip to Solve: पहले कथन को काव्यांश से जाँचिए, फिर कारण को। दोनों अलग-अलग परखे जाते हैं।

8(I). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए।
कबीर ने संसार को 'सुखिया' तथा स्वयं को 'दुखिया' क्यों कहा है? [2 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न कबीर की साखी से है। उसमें कबीर संसार को सुखी और स्वयं को दुखी बताते हैं। हमें दोनों बातों के कारण लिखने हैं।

Step 1: संसार को 'सुखिया' कहने का कारण सांसारिक लोग माया, मोह और भोग-विलास में डूबे रहते हैं।
वे खाने-पीने और आराम में मगन हैं, इसलिए उन्हें दुख का बोध ही नहीं होता।
इसी कारण कबीर उन्हें सुखिया कहते हैं।

Step 2: स्वयं को 'दुखिया' कहने का कारण कबीर जागृत और सचेत हैं। वे ज्ञान और सत्य को जानते हैं।
दूसरों को अज्ञान में सुखी देखकर और सत्य से दूर जाते देखकर उन्हें पीड़ा होती है।
इसी कारण वे स्वयं को दुखिया कहते हैं।

Step 3: उत्तर लिखना ऊपर के बिंदुओं को जोड़कर लगभग 25-30 शब्दों का उत्तर बनता है। परीक्षा में केवल दो बिंदु भी पूरे अंक दिलाते हैं।

Step 4: Conclusion **उत्तर: भोग-विलास में डूबा संसार दुख को नहीं जानता, इसलिए कबीर उसे सुखिया कहते हैं। कबीर जागृत हैं और लोगों को सत्य से दूर देखकर दुखी हैं, इसलिए स्वयं को दुखिया कहते हैं।**

Quick Tip to Solve: सोचिए कि संसार किन चीज़ों में खोया है और कबीर किस बात से बेचैन हैं।

8(II). "मनुष्य मात्र बंधु है यही बड़ा विवेक है"- मनुष्यता कविता के आधार पर पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2 marks]

Solution:

Concept:

- यह पंक्ति 'मनुष्यता' कविता की है। हमें इसका भाव यानी इसमें छिपा अर्थ समझाना है।

Step 1: शब्दों का अर्थ 'मनुष्य मात्र' का मतलब हर इंसान है। 'बंधु' का मतलब भाई है। 'विवेक' का मतलब सही-गलत की समझ है। यानी हर इंसान को अपना भाई मानना ही सबसे बड़ी समझदारी है।

Step 2: भाव के मुख्य बिंदु मनुष्य को अपने भाई की तरह समझना।
मनुष्यता ही विवेक की पहचान है।
दुख-सुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहना।
सहयोग और परोपकार की भावना रखना।

Step 3: उत्तर लिखना इनमें से किन्हीं दो बिंदुओं पर पूरे अंक मिलते हैं। हम चारों को मिलाकर लगभग 25-30 शब्दों का उत्तर लिखते हैं।

Step 4: Conclusion **उत्तर: सभी मनुष्य आपस में भाई हैं और इसे समझना ही सबसे बड़ा विवेक है। सच्चा मनुष्य सुख-दुख में सबका साथ देता है और सहयोग तथा परोपकार की भावना रखता है।**

Quick Tip to Solve: 'बंधु' का अर्थ भाई है। सोचिए कि सभी को भाई मानने से व्यवहार में क्या बदलता है।

8(III). 'तोप' कविता के माध्यम से कवि वीरेंद्र डंगवाल क्या संदेश देना चाहते हैं? [2 marks]

Solution:

Concept:

- प्रश्न 'तोप' कविता का संदेश पूछता है। कविता में कवि पुरानी तोप को देखकर एक बड़ी बात कहते हैं।

Step 1: कविता की मूल बात कभी जो तोप बहुत डरावनी थी और जिसने कई वीरों को उड़ाया, आज वह बेकार पड़ी है।
बच्चे उस पर बैठकर खेलते हैं और चिड़ियाँ उसमें घोंसला बना लेती हैं।
यानी समय बीतने पर बड़ी से बड़ी ताकत भी बेकार हो जाती है।

Step 2: संदेश के बिंदु शक्ति और सत्ता स्थायी नहीं रहती।
जनता पर शासन और शोषण से शासक की पहचान नहीं बनती।
क्रूर और हिंसक सत्ता का नाश तय है।
सत्ता से हटने पर शासक की स्थिति हास्यास्पद हो जाती है।

Step 3: उत्तर लिखना इनमें से दो बिंदु भी पूरे अंक के लिए काफ़ी हैं। हम उन्हें जोड़कर 25-30 शब्दों में लिखते हैं।

Step 4: Conclusion **उत्तर: शक्ति और सत्ता सदा नहीं रहती। तोप कितनी भी भयानक रही हो, एक दिन बेकार हो जाती है। इसी तरह क्रूर शासक का भी अंत होता है।**

Quick Tip to Solve: तोप आज किस हाल में है, और इसका शासकों की ताकत से क्या संबंध है, यह सोचिए।

8(IV). 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में वर्षा से पहले का दृश्य किस प्रकार से आकर्षक और सुंदर है? [2 marks]

Solution:

Concept:

- प्रश्न में वर्षा से पहले के पर्वतीय दृश्य की सुंदरता पूछी गई है। हमें उस दृश्य की बातें गिनानी हैं।

Step 1: दृश्य की विशेषताएँ वर्षा से पहले पर्वत प्रदेश शांत और निर्मल दिखाई देता है।
आकाश स्वच्छ है, धूप हल्की है और हवा शीतल है।
चारों ओर हरियाली का दृश्य है।
वातावरण में एक मधुर प्रतीक्षा और सौंदर्यपूर्ण स्थिरता है।

Step 2: उत्तर लिखना इनमें से किन्हीं दो बिंदुओं पर पूरे अंक मिलते हैं। हम सभी बिंदुओं को जोड़कर 25-30 शब्दों में लिखते हैं।

Step 3: Conclusion **उत्तर: वर्षा से पहले पर्वत प्रदेश शांत और निर्मल है। आकाश साफ़, धूप हल्की और हवा ठंडी है। चारों ओर हरियाली है और वातावरण में मधुर प्रतीक्षा तथा सुंदर ठहराव है।**

Quick Tip to Solve: वर्षा आने से पहले आकाश, धूप, हवा और हरियाली कैसे दिखते हैं, इन पर ध्यान दीजिए।

9(I). निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:
हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी होती है, लोक-तत्त्व का अभाव। वे ज़िंदगी से दूर होती हैं। यदि त्रासद स्थितियों का चित्रांकन होता है तो उन्हें ग्लोरिफ़ाई किया जाता है। दुःख का ऐसा वीभत्स रूप प्रस्तुत होता है जो दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके। और 'तीसरी कसम' की यह खास बात थी कि वह दुःख को भी सहज स्थिति में, जीवन-सापेक्ष प्रस्तुत करती है। मैंने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है। वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन-लिप्सा से कोसों दूर थे। जो बात उनकी ज़िंदगी में थी, वही उनके गीतों में भी। उनके गीतों में सिर्फ़ करुणा नहीं, जूझने का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।
शैलेंद्र गीतकार से अधिक कवि थे क्योंकि [1 mark]

(A) वे शास्त्रीय छंदों में लिखते थे।

(B) वे फ़िल्मी दुनिया से दूर रहते थे।

(C) उनकी रचनाओं में जीवन-मूल्य पिरोए रहते थे।

(D) वे केवल सामाजिक विषयों पर लिखते थे।

Correct Answer: (C) उनकी रचनाओं में जीवन-मूल्य पिरोए रहते थे।

Solution:

Concept:

- प्रश्न पूछता है कि शैलेंद्र को गीतकार से अधिक कवि क्यों कहा गया। उत्तर गद्यांश में दिए कारण से मिलेगा।

Step 1: गद्यांश से कारण खोजना लेखक लिखता है, 'मैंने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है।'
आगे कारण है कि वे सिनेमा की चकाचौंध में रहकर भी यश और धन की लालसा से दूर थे।
'जो बात उनकी ज़िंदगी में थी, वही उनके गीतों में भी।' यानी उनके जीवन के मूल्य उनके गीतों में दिखते थे।

Step 2: विकल्प (A) की जाँच गद्यांश में छंद या शास्त्रीय लेखन की कोई बात नहीं है। इसलिए (A) गलत है।

Step 3: विकल्प (B) की जाँच लेखक कहता है कि वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते थे, यानी फ़िल्मी दुनिया में थे। वे दूर केवल धन-लिप्सा से थे। इसलिए (B) गलत है।

Step 4: विकल्प (D) की जाँच गद्यांश में केवल सामाजिक विषयों की बात नहीं है। गीतों में करुणा और जूझने का संकेत भी था। इसलिए (D) गलत है।

Step 5: विकल्प (C) की जाँच उनके गीतों में जीवन के मूल्य पिरोए रहते थे, इसी कारण वे कवि थे। इसलिए (C) सही है।

Step 6: Conclusion **उत्तर: (C) उनकी रचनाओं में जीवन-मूल्य पिरोए रहते थे।**

Quick Tip to Solve: गद्यांश में लेखक ने शैलेंद्र को कवि क्यों कहा है, यह वाक्य खोजिए।

9(II). 'तीसरी कसम' को अन्य फ़िल्मों से अलग बताने का मुख्य कारण क्या है? [1 mark]

(A) प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा अभिनय

(B) दुःख को जीवन सापेक्ष प्रस्तुत करना

(C) दुःख को अत्यधिक प्रभावशाली दिखाना

(D) सामाजिक समस्याओं की अनदेखी करना

Correct Answer: (B) दुःख को जीवन सापेक्ष प्रस्तुत करना

Solution:

Concept:

- प्रश्न 'तीसरी कसम' की वह बात पूछता है जो उसे दूसरी फ़िल्मों से अलग करती है।

Step 1: गद्यांश से उत्तर खोजना गद्यांश में पहले बताया गया है कि हमारी फ़िल्में दुःख को बढ़ा-चढ़ाकर और वीभत्स रूप में दिखाती हैं।
इसके बाद लिखा है, 'तीसरी कसम' की यह खास बात थी कि वह दुःख को भी सहज स्थिति में, जीवन-सापेक्ष प्रस्तुत करती है।
यानी यह फ़िल्म दुःख को सरल और जीवन के करीब दिखाती है।

Step 2: विकल्प (A) की जाँच गद्यांश में प्रसिद्ध कलाकारों की कोई चर्चा नहीं है। इसलिए (A) गलत है।

Step 3: विकल्प (C) की जाँच दुःख को अत्यधिक प्रभावशाली दिखाना तो दूसरी फ़िल्मों की कमज़ोरी बताई गई है। 'तीसरी कसम' ने ऐसा नहीं किया। इसलिए (C) गलत है।

Step 4: विकल्प (D) की जाँच गद्यांश में सामाजिक समस्याओं की अनदेखी का ज़िक्र नहीं है। इसलिए (D) गलत है।

Step 5: Conclusion दुःख को सहज और जीवन-सापेक्ष दिखाना ही फ़िल्म की खासियत है। **उत्तर: (B) दुःख को जीवन सापेक्ष प्रस्तुत करना**

Quick Tip to Solve: गद्यांश में 'तीसरी कसम' की ख़ास बात बताने वाला वाक्य खोजिए।

9(III). निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए :
कथन : व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती।
कारण : मनुष्य अपनी पीड़ाओं से ही सीखता है। [1 mark]

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

(C) कथन सही है लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Correct Answer: (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Solution:

Concept:

- इस प्रकार के प्रश्न में तीन बातें जाँचनी होती हैं: कथन सही है या नहीं, कारण सही है या नहीं, और क्या कारण कथन को सही ढंग से समझाता है।

Step 1: कथन की जाँच गद्यांश की अंतिम पंक्ति है, 'व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।' यही कथन है, इसलिए कथन सही है।

Step 2: कारण की जाँच गद्यांश के अनुसार शैलेंद्र के गीतों में करुणा के साथ जूझने का संकेत था। यानी पीड़ा आदमी को सिखाती है कि कैसे लड़कर आगे बढ़ना है। इसलिए कारण सही है।

Step 3: कारण कथन की व्याख्या करता है या नहीं जब आदमी पीड़ा से सीखकर आगे बढ़ना सीख जाता है, तभी व्यथा उसे हरा नहीं पाती। इसलिए कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Step 4: अन्य विकल्पों की जाँच (A) और (B) में कथन या कारण को गलत बताया गया है, जबकि दोनों सही हैं। (C) कहता है कि कारण गलत व्याख्या करता है, जबकि वह सही व्याख्या करता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।**

Quick Tip to Solve: देखिए कि कथन गद्यांश में आया है या नहीं, फिर पूछिए कि क्या कारण उसे समझा देता है।

9(IV). शैलेंद्र के गीतों की विशेषताओं पर निम्नलिखित विचार पढ़िए और उचित विकल्प चुनिए:
(i) प्रेम का भाव
(ii) जूझने का संकेत
(iii) दुःख का वीभत्स रूप
(iv) अपनी मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया [1 mark]

(A) कथन (i) और (iii) सही हैं।

(B) कथन (ii) और (iii) सही हैं।

(C) कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं।

(D) कथन (ii) और (iv) सही हैं।

Correct Answer: (D) कथन (ii) और (iv) सही हैं।

Solution:

Concept:

- चार बातें दी गई हैं। हमें गद्यांश से देखना है कि इनमें से कौन-सी शैलेंद्र के गीतों में थीं।

Step 1: गीतों की विशेषताएँ खोजना गद्यांश कहता है, 'उनके गीतों में सिर्फ़ करुणा नहीं, जूझने का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है।'

Step 2: कथन (i) की जाँच गद्यांश में प्रेम के भाव का कहीं उल्लेख नहीं है। इसलिए (i) सही नहीं है।

Step 3: कथन (ii) की जाँच गीतों में जूझने का संकेत था, यह गद्यांश में साफ़ लिखा है। इसलिए (ii) सही है।

Step 4: कथन (iii) की जाँच दुःख का वीभत्स रूप तो आम फ़िल्मों की कमज़ोरी बताई गई है, शैलेंद्र के गीतों की नहीं। इसलिए (iii) गलत है।

Step 5: कथन (iv) की जाँच गीतों में अपनी मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया भी मौजूद थी, यह भी गद्यांश में है। इसलिए (iv) सही है।

Step 6: विकल्प चुनना सही कथन (ii) और (iv) हैं। यह जोड़ी विकल्प (D) में है। (A), (B) और (C) में (i) या (iii) जुड़ा है, जो गलत हैं।

Step 7: Conclusion **उत्तर: (D) कथन (ii) और (iv) सही हैं।**

Quick Tip to Solve: गद्यांश में शैलेंद्र के गीतों में जिन बातों का नाम लिया गया है, केवल वही सही हैं।

9(V). शैलेंद्र के गीतों में व्यथा का स्वर किस रूप में प्रकट होता है? [1 mark]

(A) निराशा और पलायन के रूप में

(B) आत्मदया और पराजय के रूप में

(C) केवल व्यक्तिगत दुःख के चित्रण के रूप में

(D) करुणा के साथ संघर्ष और आगे बढ़ने की प्रेरणा के रूप में

Correct Answer: (D) करुणा के साथ संघर्ष और आगे बढ़ने की प्रेरणा के रूप में

Solution:

Concept:

- प्रश्न पूछता है कि शैलेंद्र के गीतों में दुख या व्यथा किस तरह दिखती है।

Step 1: गद्यांश से उत्तर खोजना गद्यांश कहता है कि उनके गीतों में सिर्फ़ करुणा नहीं थी, जूझने का संकेत भी था। अंत में लिखा है कि व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।
यानी व्यथा में करुणा भी है और संघर्ष तथा आगे बढ़ने की प्रेरणा भी।

Step 2: विकल्प (A) की जाँच निराशा और पलायन गद्यांश के संदेश के उलट हैं। जो आदमी जूझता है, वह भागता नहीं।

इसलिए (A) गलत है।

Step 3: विकल्प (B) की जाँच आत्मदया और पराजय भी गलत हैं, क्योंकि गद्यांश साफ़ कहता है कि व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती। इसलिए (B) गलत है।

Step 4: विकल्प (C) की जाँच यहाँ 'केवल' शब्द गलत है। गद्यांश कहता है कि गीतों में सिर्फ़ करुणा नहीं थी। इसलिए (C) गलत है।

Step 5: विकल्प (D) की जाँच (D) में करुणा, संघर्ष और आगे बढ़ने की प्रेरणा, तीनों बातें हैं, जो गद्यांश से मेल खाती हैं। इसलिए (D) सही है।

Step 6: Conclusion **उत्तर: (D) करुणा के साथ संघर्ष और आगे बढ़ने की प्रेरणा के रूप में**

Quick Tip to Solve: अंतिम वाक्य देखिए: व्यथा आदमी को हराती नहीं, उसे क्या संदेश देती है?

10(I). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए।

पाठ में बड़े भाई साहब हमेशा अनुशासन और जिम्मेदारी के उदाहरण पेश करते हैं। यदि आप उनके किसी एक गुण को अपने जीवन में अपनाएँ, तो वह कौन-सा होगा और क्यों? [2 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न पाठ 'बड़े भाई साहब' से है। इस पाठ में बड़े भाई साहब अपने छोटे भाई को बार-बार पढ़ाई, अनुशासन और जिम्मेदारी का महत्व समझाते हैं।
- प्रश्न में दो बातें पूछी गई हैं। पहली, उनका कौन-सा एक गुण हम अपनाएँगे। दूसरी, उसे अपनाने का कारण क्या है।

Step 1: गुण का चुनाव पाठ में बड़े भाई साहब के कई गुण दिखते हैं: अनुशासन, परिश्रम, समय का सदुपयोग और बड़े होने की जिम्मेदारी।
उत्तर में केवल एक गुण चुनना है। हम 'अनुशासन' चुनते हैं, क्योंकि बाकी सब गुण इसी से जुड़े हैं।

Step 2: कारण सोचना अनुशासन से हम अपना समय ठीक से बाँट पाते हैं। लक्ष्य तय करना आसान हो जाता है।
जो व्यक्ति नियम से चलता है, उसमें आलस्य नहीं रहता और काम करने की अच्छी आदत बनती है।
इन्हीं कारणों से अनुशासन जीवन को सही दिशा देता है।

Step 3: 25-30 शब्दों में उत्तर लिखना ऊपर के बिंदुओं को जोड़कर उत्तर इस प्रकार लिखा जाएगा:

मैं बड़े भाई साहब का अनुशासन का गुण अपनाना चाहूँगा/चाहूँगी। अनुशासन से लक्ष्य तय करना और उसके लिए लगातार प्रयास करना आसान होता है। इससे आलस्य दूर होता है।

Step 4: Conclusion **उत्तर: मैं बड़े भाई साहब का अनुशासन का गुण अपनाना चाहूँगा/चाहूँगी, क्योंकि इससे लक्ष्य पाना आसान होता है, आलस्य दूर होता है और जीवन को सही दिशा मिलती है।**

Quick Tip to Solve: बड़े भाई साहब का कोई एक गुण चुनिए (अनुशासन या समय का सदुपयोग)
फिर एक-दो कारण लिखिए कि वह गुण आपके जीवन में क्यों काम आएगा।

10(II). 'डायरी का पन्ना' पाठ में बंगाल की जनता के साहस और संघर्ष का अप्रतिम उदाहरण मिलता है। कैसे? [2 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न पाठ 'डायरी का पन्ना' से है। इसमें 26 जनवरी 1931 के दिन कलकत्ता (बंगाल) में हुए स्वतंत्रता आंदोलन का वर्णन है।
- प्रश्न पूछता है कि इस पाठ में बंगाल की जनता का साहस और संघर्ष कैसे दिखाई देता है। यानी हमें पाठ के प्रमाण देने हैं।

Step 1: पाठ के प्रमाण खोजना पहला प्रमाण: अंग्रेज़ सरकार के अत्याचारों के सामने लोग झुके नहीं। उन्होंने साहस के साथ उनका सामना किया।
दूसरा प्रमाण: दमन और गोलियों के भय के बावजूद लोग आंदोलन में डटे रहे।
तीसरा प्रमाण: केवल नेता ही नहीं, आम नागरिकों ने भी संघर्ष में सक्रिय भागीदारी निभाई।

Step 2: उत्तर का ढाँचा बनाना पहले वाक्य में मुख्य बात लिखें कि जनता ने साहस दिखाया। फिर दो प्रमाण दें। 25-30 शब्दों की सीमा का ध्यान रखें।

Step 3: आदर्श उत्तर लिखना बंगाल की जनता ने अंग्रेज़ी अत्याचारों का साहस से सामना किया। गोलियों के भय के बावजूद लोग आंदोलन में डटे रहे। आम नागरिकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

Step 4: Conclusion **उत्तर: बंगाल की जनता ने अंग्रेज़ी दमन और गोलियों के भय के बावजूद आंदोलन में डटे रहकर तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से अपने साहस और संघर्ष का अप्रतिम उदाहरण दिया।**

Quick Tip to Solve: पाठ में 26 जनवरी 1931 के आंदोलन को याद कीजिए
अत्याचार के सामने डटे रहना और आम लोगों की भागीदारी, ये दो बातें लिखिए।

10(III). "वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे।" 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [2 marks]

Solution:

Step 1: कथन का संदर्भ समझना यह कथन पाठ 'गिन्नी का सोना' से है। इसमें लेखक ने आदर्शवादी और व्यावहारिक लोगों में अंतर बताया है।
लेखक ने एक उदाहरण दिया है: गिन्नी बनाते समय शुद्ध सोने में थोड़ा ताँबा मिलाया जाता है, ताकि वह मजबूत बने।

Step 2: प्रतीकों के अर्थ समझना यहाँ 'सोना' का अर्थ है आदर्श, यानी ऊँचे मूल्य और सिद्धांत।
'ताँबा' का अर्थ है व्यावहारिकता, यानी समय और परिस्थिति के अनुसार काम करने की समझ।

Step 3: कथन का आशय खोलना कुछ लोग आदर्शों में व्यावहारिकता का ताँबा मिलाकर उन्हें कमजोर या हल्का कर देते हैं। गाँधी जी ऐसा नहीं करते थे।
वे व्यावहारिकता में आदर्श का सोना मिला देते थे। यानी वे व्यावहारिक बातों को भी आदर्श के स्तर तक ऊँचा उठाते थे। इससे आदर्श की कीमत घटती नहीं, बढ़ती थी।

Step 4: आदर्श उत्तर लिखना आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से की गई है। गाँधी जी व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर तक उठाते थे, नीचे नहीं गिरने देते थे।

Step 5: Conclusion **उत्तर: इस कथन का आशय यह है कि गाँधी जी व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर तक ऊँचा ले जाते थे और आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर गिरने नहीं देते थे।**

Quick Tip to Solve: सोना किसका प्रतीक है और ताँबा किसका?
फिर बताइए कि गाँधी जी किसे किसमें मिलाते थे।

10(IV). 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के अनुसार वर्तमान में लोग दूसरों के दुख में दुखी नहीं होते। आपके विचार में इस भावनात्मक बदलाव के क्या कारण हो सकते हैं? [2 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न पाठ 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' से है। इस पाठ में लेखक ने बताया है कि आज के लोग दूसरों के दुख में पहले जैसे दुखी नहीं होते।
- हमें अपने विचार से इस बदलाव के कारण लिखने हैं। यहाँ एक ही सही उत्तर नहीं है, पर कारण तर्क से जुड़े होने चाहिए।

Step 1: कारणों की सूची बनाना पहला कारण: लोगों के जीवन में अत्यधिक व्यस्तता है, इसलिए दूसरों के लिए समय नहीं बचता।
दूसरा कारण: लोगों में संवेदना और अपनापन कम हो गया है।
तीसरा कारण: भौतिक सुखों की चाह में मानवीय भावनाओं की उपेक्षा की जाती है।
चौथा कारण: समाज में आपसी जुड़ाव कम हो रहा है।

Step 2: कारणों को आपस में जोड़ना सभी कारण एक-दूसरे से जुड़े हैं। भौतिक चीजों की दौड़ से व्यस्तता बढ़ती है। व्यस्तता से मेलजोल घटता है और मेलजोल घटने से संवेदना घटती है।
उत्तर में इन्हीं में से कम से कम दो-तीन कारण लिख देना काफी है।

Step 3: आदर्श उत्तर लिखना आज लोग बहुत व्यस्त हैं और उनमें संवेदना तथा अपनापन कम हो गया है। भौतिक सुखों की चाह में मानवीय भावनाएँ उपेक्षित हो गई हैं। आपसी जुड़ाव भी घटा है।

Step 4: Conclusion **उत्तर: लोगों की अत्यधिक व्यस्तता, संवेदना और अपनेपन की कमी, भौतिक सुखों की चाह और आपसी जुड़ाव का घटना, इस भावनात्मक बदलाव के मुख्य कारण हो सकते हैं।**

Quick Tip to Solve: आज के लोगों की व्यस्तता, सुख-सुविधाओं की चाह और घटते मेलजोल के बारे में सोचिए इनमें से दो-तीन कारण उदाहरण सहित लिखिए।

11(I). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।
टोपी और हरिहर काका दोनों अपने परिवार द्वारा उपेक्षित थे। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि परिवार की उपेक्षा ने उनके मानसिक जीवन और भावनात्मक सुरक्षा को किस प्रकार प्रभावित किया? [3 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न दो पाठों 'टोपी शुक्ला' और 'हरिहर काका' को साथ जोड़ता है। दोनों पात्र अपने परिवार से उपेक्षा पाते हैं।
- हमें बताना है कि इस उपेक्षा का उनके मानसिक जीवन और भावनात्मक सुरक्षा पर क्या असर पड़ा।

Step 1: टोपी के बारे में पाठ से बिंदु टोपी को परिवार में होते हुए भी अकेलापन और उपेक्षा महसूस होती थी।
परिवार का स्नेह न मिलने से वह भावनात्मक रूप से असुरक्षित हो गया।

Step 2: हरिहर काका के बारे में पाठ से बिंदु परिवार हरिहर काका को केवल उनकी संपत्ति के कारण महत्व देता था, एक व्यक्ति के रूप में नहीं।
इससे उनके मन में अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना पैदा हुई।

Step 3: दोनों का असर जोड़ना परिवार की उपेक्षा से दोनों का मानसिक संतुलन बिगड़ा और आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुँची। उत्तर में कम से कम तीन बिंदु आने चाहिए।

Step 4: आदर्श उत्तर लिखना (50-60 शब्द) टोपी और हरिहर काका परिवार में रहकर भी अकेलापन और उपेक्षा महसूस करते थे। परिवार का स्नेह न मिलने से वे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हो गए। उनके मन में अविश्वास, भय और असुरक्षा पैदा हुई। हरिहर काका को परिवार केवल संपत्ति के कारण महत्व देता था। इस उपेक्षा से दोनों के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुँची।

Step 5: Conclusion **उत्तर: परिवार की उपेक्षा से टोपी और हरिहर काका अकेलेपन, अविश्वास, भय और असुरक्षा**

से घिर गए तथा उनके मानसिक संतुलन और आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुँची।

Quick Tip to Solve: टोपी और हरिहर काका के साथ परिवार का व्यवहार अलग-अलग याद कीजिए
फिर दोनों पर पड़े मानसिक और भावनात्मक असर के तीन बिंदु लिखिए।

11(II). 'सपनों के-से दिन' पाठ में पीटी सर ने विद्यार्थियों में अनुशासन के लिए जिन तरीकों को अपनाया, उससे आप कितना सहमत हैं? क्या उन युक्तियों को वर्तमान में स्वीकार किया जा सकता है? अपने विचार के पक्ष में तर्क दीजिए।

[3 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न पाठ 'सपनों के-से दिन' से है। इसमें पीटी सर विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए कठोर तरीके अपनाते थे।
- प्रश्न में तीन बातें पूछी गई हैं: आप कितना सहमत हैं, क्या ये युक्तियाँ आज स्वीकार हो सकती हैं, और अपने पक्ष में तर्क।

Step 1: पीटी सर के तरीके बताना पीटी सर अनुशासन बनाए रखने के लिए कठोर नियमों का पालन करवाते थे।
उनके तरीकों में शारीरिक दंड का संकेत मिलता है और विद्यार्थी उनसे डरते थे।

Step 2: अपनी राय और तर्क बनाना अनुशासन की सोच ठीक है, क्योंकि बिना अनुशासन के पढ़ाई और खेल दोनों नहीं चल सकते। इसलिए आंशिक सहमति लिखी जा सकती है।
पर डर और सजा से बच्चों का आत्मविश्वास घटता है। आज की शिक्षा में संवाद, प्रेरणा और सकारात्मक अनुशासन पर जोर दिया जाता है।
इसलिए ये कठोर उपाय आज पूर्णतः स्वीकार्य नहीं हैं। कोई अन्य तर्कपूर्ण राय भी मान्य है।

Step 3: आदर्श उत्तर लिखना (50-60 शब्द) पीटी सर अनुशासन के लिए कठोर नियमों और शारीरिक दंड का सहारा लेते थे। मैं उनकी अनुशासनप्रियता से सहमत हूँ, पर कठोर तरीकों से नहीं। डर से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास घटता है। आज की शिक्षा में संवाद, प्रेरणा और सकारात्मक अनुशासन पर जोर है, इसलिए ये युक्तियाँ आज पूर्णतः स्वीकार्य नहीं हैं।

Step 4: Conclusion **उत्तर: पीटी सर की अनुशासनप्रियता उचित थी, पर कठोर नियम और शारीरिक दंड वर्तमान में स्वीकार्य नहीं हैं, क्योंकि इनसे बच्चों का आत्मविश्वास घटता है और आज संवाद तथा प्रेरणा पर जोर है।**

Quick Tip to Solve: पीटी सर के उद्देश्य और उनके तरीके को अलग-अलग देखिए
फिर आज की शिक्षा के संदर्भ में अपनी राय और तर्क लिखिए।

11(III). कहानी के अंत तक हरिहर काका की स्थिति दयनीय हो जाती है। हरिहर काका की इस स्थिति के लिए आप किसे जिम्मेदार मानते हैं और क्यों?

[3 marks]

Solution:

Concept:

- यह प्रश्न पाठ 'हरिहर काका' से है। कहानी के अंत तक काका की हालत बहुत दयनीय हो जाती है।
- हमें अपनी राय में किसी को जिम्मेदार ठहराना है और उसका कारण देना है। यह राय वाला प्रश्न है, पर कारण पाठ से जुड़े होने चाहिए।

Step 1: जिम्मेदार पक्षों की सूची बनाना पहला पक्ष परिवार है: उसने काका को स्नेह और सहयोग नहीं दिया। उसके सदस्य केवल उनकी संपत्ति पर अधिकार चाहते थे।
दूसरा पक्ष धार्मिक संस्थान है: उसने भी उन्हें डर और अंधविश्वास में बाँधे रखा।
तीसरा पक्ष समाज है: उसने मूकदर्शक बनकर अन्याय को बढ़ावा दिया।

Step 2: सबसे अधिक जिम्मेदार चुनना सबसे अधिक जिम्मेदार परिवार को माना जा सकता है, क्योंकि जिनसे सहारे की आशा थी, उन्होंने ही लोभ में काका को छोड़ दिया।

वैसे उत्तर में परिवार के साथ बाकी पक्षों का भी उल्लेख किया जा सकता है। कोई अन्य तर्कपूर्ण पक्ष भी मान्य होगा।

Step 3: आदर्श उत्तर लिखना (50-60 शब्द) मेरे विचार से हरिहर काका की दयनीय स्थिति के लिए सबसे अधिक परिवार जिम्मेदार है। परिवार ने उन्हें स्नेह और सहयोग नहीं दिया और उसके सदस्य केवल उनकी संपत्ति पर अधिकार चाहते थे। धार्मिक संस्थान ने भी उन्हें डर और अंधविश्वास में बाँधे रखा और समाज मूकदर्शक बनकर अन्याय को बढ़ावा देता रहा।

Step 4: Conclusion **उत्तर: हरिहर काका की इस स्थिति के लिए सबसे अधिक परिवार जिम्मेदार है, क्योंकि उसने स्नेह-सहयोग नहीं दिया और केवल संपत्ति का लोभ किया; धार्मिक संस्थान और मूकदर्शक समाज भी इसके साथी हैं।**

Quick Tip to Solve: कहानी में काका के साथ परिवार, महंत और गाँव के लोगों का व्यवहार याद कीजिए जिसे जिम्मेदार मानें, उसके पक्ष में पाठ से कारण दीजिए।

खंड घ (रचनात्मक लेखन) (22 marks)

रचनात्मक लेखन पर आधारित कुल 5 प्रश्न हैं | प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |

12(i). निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:
सबसे अच्छा देश हमारा!भारत की विविधता एवं एकतागौरवशाली संस्कृति और समृद्ध इतिहासवर्तमान की उपलब्धियाँ एवं भविष्य की आशाएँ [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना यहाँ संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों का अनुच्छेद लिखना है। अनुच्छेद में एक ही अनुच्छेद होता है, उसमें शीर्षक के बाद सारी बातें क्रम से जुड़ी हुई आती हैं। अंक-योजना इस प्रकार है: आरंभ 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। तीनों संकेत-बिन्दुओं पर लिखना ज़रूरी है, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक तभी मिलते हैं।

Step 2: संकेत-बिन्दुओं से सामग्री जुटाना पहला बिन्दु (विविधता एवं एकता): भाषा, धर्म, पहनावा अलग होने पर भी एक रहना।
दूसरा बिन्दु (संस्कृति एवं इतिहास): प्राचीन ग्रंथ, कला और स्थापत्य।
तीसरा बिन्दु (उपलब्धियाँ एवं आशाएँ): विज्ञान, अंतरिक्ष और आगे के सपने।
अंत में देश पर गर्व की बात रखनी है।

Step 3: मॉडल उत्तर लिखना **सबसे अच्छा देश हमारा!**
हमारा भारत विश्व के सबसे सुंदर और अनोखे देशों में से एक है। यहाँ अनेक भाषाएँ, धर्म, पहनावे और खान-पान हैं, फिर भी सब लोग एक सूत्र में बँधे हैं। यही विविधता में एकता हमारी सबसे बड़ी पहचान है। हमारी संस्कृति हज़ारों वर्ष पुरानी है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ तथा अजंता, एलोरा और खजुराहो की कला हमारे गौरवशाली इतिहास की कहानी कहते हैं। आज भारत ने विज्ञान, अंतरिक्ष, चिकित्सा और सूचना प्रौद्योगिकी में बड़ी सफलताएँ पाई हैं। चंद्रयान जैसे अभियान हमारा सिर ऊँचा करते हैं। हमें आशा है कि आने वाले समय में भारत शिक्षा, रोज़गार और विकास में और आगे बढ़ेगा। ऐसे महान देश पर हमें गर्व है।

Step 4: अंक-योजना से जाँच ऊपर का अनुच्छेद लगभग 112 शब्दों का है, जो निर्धारित सीमा के पास है। पहली पंक्ति रुचि जगाती है, इसलिए आरंभ के 1 अंक बनते हैं। तीनों संकेत-बिन्दु क्रम से आए हैं, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। वाक्य छोटे, शुद्ध और विराम-चिह्नों सहित हैं, इसलिए भाषा शुद्धता का 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: शीर्षक सहित, तीनों संकेत-बिन्दुओं पर आधारित लगभग 112 शब्दों का अनुच्छेद ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: तीनों संकेत-बिन्दुओं को क्रम से जोड़ते हुए एक ही अनुच्छेद लिखिए। आरंभ रोचक रखिए और अंत में गर्व की बात कहिए।

OR

12(ii). निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:
तकनीक पर निर्भरता: सुविधा से मजबूरी तकदैनिक जीवन में तकनीक की भूमिकाअत्यधिक निर्भरता के दुष्परिणामविवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना यहाँ संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों का अनुच्छेद लिखना है। अनुच्छेद में एक ही अनुच्छेद होता है, उसमें शीर्षक के बाद सारी बातें क्रम से जुड़ी हुई आती हैं। अंक-योजना इस प्रकार है: आरंभ 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। तीनों संकेत-बिन्दुओं पर लिखना ज़रूरी है, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक तभी मिलते हैं।

Step 2: संकेत-बिन्दुओं से सामग्री जुटाना पहला बिन्दु (भूमिका): मोबाइल, इंटरनेट, मशीनें और घर बैठे होने वाले काम।
दूसरा बिन्दु (दुष्परिणाम): स्वास्थ्य, अकेलापन और सोचने की शक्ति में कमी।
तीसरा बिन्दु (विवेकपूर्ण उपयोग): तकनीक को साधन मानना।

Step 3: मॉडल उत्तर लिखना **तकनीक पर निर्भरता: सुविधा से मजबूरी तक**
आज तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। सुबह के अलार्म से लेकर रात की फ़िल्म तक हर काम मोबाइल, इंटरनेट और मशीनों की मदद से होता है। पढ़ाई, इलाज, बैंकिंग और खरीदारी जैसे काम अब घर बैठे संभव हैं। तकनीक ने समय बचाया है और जीवन को सरल बनाया है। परंतु जब सुविधा आदत बन जाती है, तब वह मजबूरी का रूप ले लेती है। अत्यधिक निर्भरता से आँखों और नींद की समस्याएँ, अकेलापन, सोचने-समझने की शक्ति में कमी और रिश्तों में दूरी बढ़ रही है। इसलिए हमें तकनीक का उपयोग विवेक से करना चाहिए। उसे साधन मानें, स्वामी नहीं। तभी वह हमारे लिए वरदान बनी रहेगी।

Step 4: अंक-योजना से जाँच ऊपर का अनुच्छेद लगभग 110 शब्दों का है, जो निर्धारित सीमा के पास है। पहली पंक्ति रुचि जगाती है, इसलिए आरंभ के 1 अंक बनते हैं। तीनों संकेत-बिन्दु क्रम से आए हैं, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। वाक्य छोटे, शुद्ध और विराम-चिह्नों सहित हैं, इसलिए भाषा शुद्धता का 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: शीर्षक सहित, तीनों संकेत-बिन्दुओं पर आधारित लगभग 110 शब्दों का अनुच्छेद ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: पहले तकनीक के लाभ, फिर अति-निर्भरता की हानियाँ और अंत में संतुलित उपयोग का सुझाव, इस क्रम में लिखिए।

OR

12(iii). निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:
जल संकट: भविष्य की चेतावनीघटते जल स्रोतमानव लापरवाही के कारण जल का अपव्ययजल संरक्षण में हमारी भूमिका [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना यहाँ संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों का अनुच्छेद लिखना है। अनुच्छेद में एक ही अनुच्छेद होता है, उसमें शीर्षक के बाद सारी बातें क्रम से जुड़ी हुई आती हैं। अंक-योजना इस प्रकार है: आरंभ 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। तीनों संकेत-बिन्दुओं पर लिखना ज़रूरी है, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक तभी मिलते हैं।

Step 2: संकेत-बिन्दुओं से सामग्री जुटाना पहला बिन्दु (घटते स्रोत): नदियों, तालाबों और भूजल का नीचे जाना।
दूसरा बिन्दु (अपव्यय): नल खुले छोड़ना, पानी बहाना, प्रदूषण।
तीसरा बिन्दु (हमारी भूमिका): वर्षा जल संचय, पानी की बचत, पेड़ लगाना।

Step 3: मॉडल उत्तर लिखना **जल संकट: भविष्य की चेतावनी**
जल ही जीवन है, पर आज यही जीवन संकट में है। देश के अनेक शहरों और गाँवों में गर्मी आते ही पानी के लिए लंबी

कतारें लग जाती हैं। नदियाँ सूख रही हैं, तालाब पट रहे हैं और भूजल का स्तर हर साल नीचे जा रहा है। इसका बड़ा कारण हमारी लापरवाही है। लोग नल खुला छोड़ देते हैं, गाड़ियाँ धोने में पानी बहाते हैं और कारखाने नदियों को प्रदूषित करते हैं। यदि यही हाल रहा तो भविष्य में पीने का पानी भी दुर्लभ हो जाएगा। हमें वर्षा जल का संचय करना चाहिए, पानी को व्यर्थ बहने से रोकना चाहिए और पेड़ लगाने चाहिए। हर व्यक्ति की छोटी कोशिश मिलकर बड़ा बदलाव ला सकती है।

Step 4: अंक-योजना से जाँच ऊपर का अनुच्छेद लगभग 115 शब्दों का है, जो निर्धारित सीमा के पास है। पहली पंक्ति रुचि जगाती है, इसलिए आरंभ के 1 अंक बनते हैं। तीनों संकेत-बिन्दु क्रम से आए हैं, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। वाक्य छोटे, शुद्ध और विराम-चिह्नों सहित हैं, इसलिए भाषा शुद्धता का 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: शीर्षक सहित, तीनों संकेत-बिन्दुओं पर आधारित लगभग 115 शब्दों का अनुच्छेद ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: स्रोतों के घटने, अपव्यय के कारणों और बचत के उपायों को क्रम से एक ही अनुच्छेद में समेटिए।

13(I). निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक औपचारिक पत्र लिखिए।
आप भुवन /भावना हैं। आपके पास के बाज़ार में प्रतिबंध के बावजूद प्लास्टिक की थैलियों का खुलेआम उपयोग हो रहा है। इसकी सूचना देते हुए व समस्या के समाधान का निवेदन करते हुए नगर निगम अध्यक्ष को पत्र लिखिए। [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना यह औपचारिक पत्र है, इसलिए इसमें प्रेषक का पता, दिनांक, पाने वाले का पद और पता, विषय, संबोधन, मुख्य बात, अभिवादन और अंत में नाम आते हैं। अंक-योजना: प्रारूप (प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ) 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। ध्यान रहे कि भाषा विनम्र और सीधी हो।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना समस्या: प्रतिबंध के बावजूद बाज़ार में प्लास्टिक की थैलियों का खुला उपयोग।
असर: नालियाँ जाम होना, गंदगी और पशुओं का बीमार पड़ना।
समाधान: नियमित जाँच, जुर्माना और कपड़े या जूट के थैले उपलब्ध कराना।

Step 3: मॉडल पत्र लिखना प्रेषक:
भुवन
12, शांति नगर
जयपुर
दिनांक: 10 मार्च 2027

सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
नगर निगम,
जयपुर।

विषय: बाज़ार में प्लास्टिक की थैलियों के खुलेआम उपयोग को रोकने हेतु पत्र।

महोदय,
मैं शांति नगर बाज़ार का निवासी भुवन हूँ। निवेदन है कि हमारे बाज़ार में प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध होने के बावजूद दुकानदार उनका खुलेआम उपयोग कर रहे हैं। ये थैलियाँ इस्तेमाल के बाद नालियों में फँस जाती हैं, जिससे जलभराव और गंदगी होती है। गाएँ भी इन्हें खाकर बीमार पड़ रही हैं। इस समस्या के समाधान हेतु मेरा सुझाव है कि निगम की टीम बाज़ार में नियमित जाँच करे, नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाए और दुकानदारों को कपड़े व जूट के थैले उपलब्ध कराए। आशा है कि आप शीघ्र कार्रवाई करेंगे।
धन्यवाद सहित।

भवदीय,
भुवन

Step 4: अंक-योजना से जाँच पत्र के मुख्य भाग में लगभग 93 शब्द हैं। प्रेषक का पता, दिनांक, पद सहित प्राप्तकर्ता, विषय, संबोधन तथा अंत में भवदीय और नाम हैं, इसलिए प्रारूप का 1 अंक बनता है। समस्या, उसका असर और समाधान

तीनों आए हैं, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। भाषा विनम्र और शुद्ध है, इसलिए 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: औपचारिक पत्र का पूरा मॉडल रूप, लगभग 93 शब्दों के मुख्य भाग सहित, ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: औपचारिक पत्र के प्रारूप का पालन करते हुए समस्या, उसका असर और समाधान के सुझाव क्रम से लिखिए।

OR

13(II). निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक औपचारिक पत्र लिखिए।
आपके विद्यालय के पास एक बस्ती है। आप वहाँ के विद्यार्थियों का नामांकन अपने विद्यालय में करवाना चाहते हैं। इस संदर्भ में अपने विद्यालय- क ख ग के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना यह औपचारिक पत्र है, इसलिए इसमें प्रेषक का पता, दिनांक, पाने वाले का पद और पता, विषय, संबोधन, मुख्य बात, अभिवादन और अंत में नाम आते हैं। अंक-योजना: प्रारूप (प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ) 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। ध्यान रहे कि भाषा विनम्र और सीधी हो।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना समस्या: बस्ती के बच्चे गरीबी के कारण विद्यालय नहीं जा पाते।
प्रस्ताव: उनका नामांकन अपने विद्यालय में कराना।
मदद: शिक्षा का अधिकार कानून का हवाला और विद्यार्थियों द्वारा अभिभावकों से बात करना।

Step 3: मॉडल पत्र लिखना प्रेषक:
रोहित वर्मा
कक्षा दसवीं
विद्यालय- क ख ग
दिनांक: 15 मार्च 2027

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
विद्यालय- क ख ग।

विषय: पास की बस्ती के बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराने हेतु पत्र।

आदरणीय महोदय,
निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय के पास एक बस्ती है, जिसके अनेक बच्चे आर्थिक कारणों से विद्यालय नहीं जा पाते। वे दिनभर गलियों में खेलते या छोटे-मोटे काम करते हैं। मेरी इच्छा है कि इन बच्चों का नामांकन हमारे विद्यालय में कराया जाए। शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत हर बच्चे को निःशुल्क शिक्षा मिलनी चाहिए। मैं और मेरे कुछ साथी बस्ती में जाकर अभिभावकों से बात करने और प्रवेश-प्रपत्र भरवाने में सहायता करने को तैयार हैं। आपसे अनुरोध है कि इस कार्य की अनुमति दें और प्रवेश की उचित व्यवस्था करें, ताकि ये बच्चे भी पढ़-लिखकर आगे बढ़ सकें।
धन्यवाद सहित।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
रोहित वर्मा

Step 4: अंक-योजना से जाँच पत्र के मुख्य भाग में लगभग 101 शब्द हैं। प्रेषक का पता, दिनांक, पद सहित प्राप्तकर्ता, विषय, संबोधन तथा अंत में भवदीय और नाम हैं, इसलिए प्रारूप का 1 अंक बनता है। समस्या, उसका असर और समाधान तीनों आए हैं, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। भाषा विनम्र और शुद्ध है, इसलिए 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: औपचारिक पत्र का पूरा मॉडल रूप, लगभग 101 शब्दों के मुख्य भाग सहित, ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: प्रधानाचार्य को विनम्र भाषा में बस्ती की स्थिति बताइए, नामांकन का प्रस्ताव रखिए और अपनी सहायता का आश्वासन दीजिए।

14(I). निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए:
आपकी सोसाइटी 'आरोग्य नगर' में तीन दिनों का योग एवं ध्यान शिविर प्रारंभ किया जा रहा हैं। सोसाइटी के सचिव के रूप में सूचना तैयार कीजिए। [4 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना सूचना में संस्था का नाम, 'सूचना' शब्द, दिनांक, शीर्षक, मुख्य बात और अंत में सूचना देने वाले का नाम व पद लिखा जाता है। अंक-योजना: प्रारूप 1 अंक, विषयवस्तु 2 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। सूचना छोटी और साफ होनी चाहिए।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना क्या: तीन दिन का योग एवं ध्यान शिविर।
कब और कहाँ: तिथि, प्रातः का समय और सामुदायिक उद्यान।
और क्या: प्रशिक्षक, नाम लिखवाने की अंतिम तिथि और भाग लेने की रीति।

Step 3: मॉडल सूचना लिखना **आरोग्य नगर सोसाइटी**
सूचना
दिनांक: 12 मार्च 2027
तीन दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर
सोसाइटी के सभी निवासियों को सूचित किया जाता है कि हमारी सोसाइटी में तीन दिन का योग एवं ध्यान शिविर 20 से 22 मार्च 2027 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक सामुदायिक उद्यान में लगेगा। प्रशिक्षित योग गुरु आसन, प्राणायाम और ध्यान सिखाएँगे। इच्छुक निवासी 18 मार्च तक सचिव कार्यालय में नाम लिखवाएँ।
अनिल शर्मा
सचिव, आरोग्य नगर सोसाइटी

Step 4: अंक-योजना से जाँच सूचना के मुख्य भाग में लगभग 62 शब्द हैं। संस्था का नाम, दिनांक, शीर्षक और अंत में नाम व पद हैं, इसलिए प्रारूप का 1 अंक बनता है। कार्यक्रम का कारण, तिथि, समय और स्थान जैसी ज़रूरी बातें हैं, इसलिए विषयवस्तु के 2 अंक बनते हैं। भाषा सरल और शुद्ध है, इसलिए 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: प्रारूप सहित लगभग 62 शब्दों की सूचना ऊपर दी गई है।**

Quick Tip to Solve: सूचना में संस्था का नाम, दिनांक, शीर्षक, शिविर की तिथि, समय, स्थान और अंत में सचिव का नाम व पद ज़रूर लिखिए।

OR

14(II). निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए:
आप विद्यालय की सुरक्षा समिति के सचिव हैं। विद्यालय में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। इस संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु सूचना लिखिए। [4 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना सूचना में संस्था का नाम, 'सूचना' शब्द, दिनांक, शीर्षक, मुख्य बात और अंत में सूचना देने वाले का नाम व पद लिखा जाता है। अंक-योजना: प्रारूप 1 अंक, विषयवस्तु 2 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। सूचना छोटी और साफ होनी चाहिए।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना क्या: आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल।
कब और कहाँ: तिथि, समय और खेल का मैदान।
नियम: शांति रखना, लिफ़्ट का प्रयोग न करना और निर्देश मानना।

Step 3: मॉडल सूचना लिखना **विद्यालय- क ख ग**
सूचना
दिनांक: 14 मार्च 2027
आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल
सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में दिनांक 18 मार्च 2027 को प्रातः 11 बजे आपदा प्रबंधन मॉक

ड्रिल आयोजित की जाएगी। इसमें भूकंप और आग से बचाव का अभ्यास कराया जाएगा। घंटी बजते ही सभी विद्यार्थी शांति से कक्षा से निकलकर खेल के मैदान में एकत्र होंगे। लिफ़्ट का प्रयोग न करें और अध्यापकों के निर्देशों का पालन करें।

विकास मेहरा
सचिव, सुरक्षा समिति

Step 4: अंक-योजना से जाँच सूचना के मुख्य भाग में लगभग 63 शब्द हैं। संस्था का नाम, दिनांक, शीर्षक और अंत में नाम व पद हैं, इसलिए प्रारूप का 1 अंक बनता है। कार्यक्रम का कारण, तिथि, समय और स्थान जैसी ज़रूरी बातें हैं, इसलिए विषयवस्तु के 2 अंक बनते हैं। भाषा सरल और शुद्ध है, इसलिए 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: प्रारूप सहित लगभग 63 शब्दों की सूचना ऊपर दी गई है।**

Quick Tip to Solve: सूचना सुरक्षा समिति के सचिव के नाम से दीजिए और उसमें तिथि, समय, स्थान तथा विद्यार्थियों के लिए निर्देश लिखिए।

15(I). निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:
सामाजिक सेवा करने वाली 'रोशनी' संस्था के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए। [3 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना विज्ञापन में आकर्षक नारा या शीर्षक, थोड़े शब्दों में असरदार बात और संपर्क की जानकारी होती है। अंक-योजना: रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक, विषयवस्तु 1 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। शब्द-सीमा लगभग 40 है, इसलिए हर शब्द सोचकर लिखें।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना नारा: उजाले और सेवा से जुड़ा।
काम: निःशुल्क शिक्षा, भोजन और बुज़ुर्गों की देखभाल।
अपील और संपर्क: समय या सहयोग देने का आमंत्रण और पता।

Step 3: मॉडल विज्ञापन लिखना **रोशनी: हर दिल में उजाला**
क्या आप समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं? 'रोशनी' संस्था निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, ज़रूरतमंदों को भोजन और बुज़ुर्गों को सहारा देती है। आइए, अपना समय या सहयोग देकर किसी के जीवन में उजाला भरें।
संपर्क: रोशनी संस्था, 15 गांधी मार्ग, भोपाल

Step 4: अंक-योजना से जाँच विज्ञापन में लगभग 49 शब्द हैं। उसमें नारा, बॉक्स जैसी साफ प्रस्तुति और संपर्क का हिस्सा है, इसलिए रचनात्मक प्रस्तुति का 1 अंक बनता है। संस्था की बात और अपील आई है, इसलिए विषयवस्तु का 1 अंक बनता है। वाक्य छोटे और शुद्ध हैं, इसलिए भाषा का 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: लगभग 49 शब्दों का आकर्षक विज्ञापन ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: एक असरदार नारा लिखिए, संस्था के काम बताइए और अंत में जुड़ने की अपील तथा संपर्क दीजिए।

OR

15(II). निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:
प्रदूषण कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का प्रचार करते हुए जन-संपर्क विभाग की ओर से एक विज्ञापन तैयार कीजिए। [3 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना विज्ञापन में आकर्षक नारा या शीर्षक, थोड़े शब्दों में असरदार बात और संपर्क की जानकारी होती है। अंक-योजना: रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक, विषयवस्तु 1 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक। शब्द-सीमा लगभग 40 है, इसलिए हर शब्द सोचकर लिखें।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना नारा: साफ हवा और जीवन की रक्षा से जुड़ा।
सरकारी कदम: कचरा जलाने पर रोक, इलेक्ट्रिक बसें, पौधारोपण।
अपील और जारीकर्ता: जनता से सहयोग और विभाग का नाम।

Step 3: मॉडल विज्ञापन लिखना **प्रदूषण घटाएँ, जीवन बचाएँ**
सरकार का संकल्प है साफ हवा, स्वच्छ पानी! अब खुले में कचरा जलाना मना है, इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं और हर क्षेत्र में पौधे लगाए जा रहे हैं। आप भी सार्वजनिक वाहन अपनाइए और एक पेड़ ज़रूर लगाइए।
जारीकर्ता: जन-संपर्क विभाग, राज्य सरकार

Step 4: अंक-योजना से जाँच विज्ञापन में लगभग 48 शब्द हैं। उसमें नारा, बॉक्स जैसी साफ प्रस्तुति और संपर्क का हिस्सा है, इसलिए रचनात्मक प्रस्तुति का 1 अंक बनता है। संस्था की बात और अपील आई है, इसलिए विषयवस्तु का 1 अंक बनता है। वाक्य छोटे और शुद्ध हैं, इसलिए भाषा का 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: लगभग 48 शब्दों का आकर्षक विज्ञापन ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: जन-संपर्क विभाग के नाम से नारे के साथ सरकार के कदम गिनाइए और जनता से सहयोग की अपील कीजिए।

16(I). प्रश्न के अनुसार उत्तर लिखिए:
जिनके बच्चों की उपस्थिति विद्यालय में 70 फीसदी से कम है, उन अभिभावकों को आगाह करने हेतु लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल तैयार कीजिए। [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना ई-मेल भी औपचारिक पत्र जैसा होता है, पर उसका ढाँचा अलग है। उसमें प्रति (To), प्रेषक (From), विषय (Subject), संबोधन, मुख्य भाग और अंत में नाम व पद आते हैं। अंक-योजना: प्रारूप 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक।

Step 2: विषयवस्तु के बिन्दु तय करना सूचना: उपस्थिति 70 प्रतिशत से कम है।
नुकसान: पढ़ाई का हर्जा और परीक्षा में बैठने की रुकावट।
अपेक्षा: बच्चे को रोज़ भेजना, कारण बताना, सुधार न होने पर कार्रवाई की चेतावनी।

Step 3: मॉडल ई-मेल लिखना **प्रति:** abhibhavak@vidyalaya.example.com
प्रेषक: pradhanacharya@vidyalaya.example.com
विषय: विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के संबंध में सूचना

आदरणीय अभिभावक,
आपको सूचित किया जाता है कि आपके बच्चे की विद्यालय में उपस्थिति 70 प्रतिशत से कम है। कम उपस्थिति से पढ़ाई का नुकसान हो रहा है और बच्चा परीक्षा में बैठने से वंचित भी हो सकता है। अतः कृपया उसे प्रतिदिन समय पर विद्यालय भेजना सुनिश्चित करें। यदि कोई कारण या कठिनाई हो तो शीघ्र कक्षा अध्यापक से मिलें। उपस्थिति में सुधार न होने पर विद्यालय को नियमानुसार कार्रवाई करनी पड़ेगी। आपके सहयोग की अपेक्षा है।

धन्यवाद सहित,
डॉ. अनुराधा सिंह
प्रधानाचार्य, विद्यालय- क ख ग

Step 4: अंक-योजना से जाँच ई-मेल के मुख्य भाग में लगभग 76 शब्द हैं। प्रति, प्रेषक, विषय और अंत की औपचारिकताएँ पूरी हैं, इसलिए प्रारूप का 1 अंक बनता है। कम उपस्थिति की सूचना, उसका नुकसान और अभिभावकों से अपेक्षा आई है, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। भाषा शुद्ध और शिष्ट है, इसलिए 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: प्रारूप सहित लगभग 76 शब्दों का ई-मेल ऊपर दिया गया है।**

Quick Tip to Solve: ई-मेल में प्रति, प्रेषक और विषय पंक्ति लिखिए, फिर कम उपस्थिति का नुकसान बताकर अभिभावकों से सहयोग माँगिए।

OR

16(II). प्रश्न के अनुसार उत्तर लिखिए:
घनघोर बारिश हो रही थी और अचानक मैंने देखा कि ..... इस पंक्ति से शुरुआत करते हुए लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए। [5 marks]

Solution:

Step 1: प्रश्न और प्रारूप को समझना लघुकथा में एक छोटी घटना होती है। उसमें शुरुआत, बीच का मोड़ और अंत में सीख होती है। यहाँ कहानी की पहली पंक्ति दी गई है, इसलिए वही पंक्ति कहानी का आरंभ बनेगी। अंक-योजना: प्रस्तुति 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, भाषा शुद्धता 1 अंक।

Step 2: कथानक तय करना आरंभ: दी हुई पंक्ति से, नाली में फँसा पिल्ला दिखना।
मोड़: लोग देखते रहे, लेखक ने आगे बढ़कर बचाया।
अंत: मन की शांति और सच्ची मदद की सीख।

Step 3: मॉडल लघुकथा लिखना **बारिश में एक जीवन**
घनघोर बारिश हो रही थी और अचानक मैंने देखा कि सड़क किनारे की गहरी नाली में एक छोटा-सा पिल्ला फँसा हुआ है। वह ठंड से काँप रहा था और पानी का बहाव उसे बहाए ले जा रहा था। आसपास के लोग छाता ताने खड़े थे, पर किसी ने कदम नहीं बढ़ाया। मैंने अपना बस्ता एक ओर रखा और नाली में उतरकर उसे बाहर निकाल लिया। उसे अपने रूमाल से पोंछा तो वह मेरी गोद में सिमट गया। मेरे कपड़े भीग गए थे, पर मन को अजीब-सी शांति मिली। तब मुझे समझ आया कि सच्ची मदद के लिए केवल साहस और संवेदना चाहिए, किसी की प्रतीक्षा नहीं।

Step 4: अंक-योजना से जाँच लघुकथा में लगभग 106 शब्द हैं। शीर्षक और दी हुई पंक्ति से शुरुआत है, इसलिए प्रस्तुति का 1 अंक बनता है। घटना, मोड़ और अंत की सीख क्रम से आई हैं, इसलिए विषयवस्तु के 3 अंक बनते हैं। भाषा सरल और शुद्ध है, इसलिए भाषा का 1 अंक बनता है।

Step 5: Conclusion **उत्तर: दी गई पंक्ति से शुरू होने वाली लगभग 106 शब्दों की लघुकथा ऊपर दी गई है।**

Quick Tip to Solve: दी गई पंक्ति को ज्यों का त्यों शुरुआत में रखिए और एक छोटी घटना, उसका मोड़ तथा अंत में सीख लिखिए।